

# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

# उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

# रुड़की

खण्ड-9] रुडकी, शनिवार, दिनांक 19 जनवरी, 2008 ई० (पौष 29, 1929 शक सम्वत्) [संख्या-03

# विषय-सूची

पत्येक भाग के पृथ्व अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सके

| विषय  | पृष्ठ संबद्धा | वार्षिक चन्दा |
|---|---------------|---------------|
|   |               | ₹0            |
| सम्पूर्ण गजट का मृत्य   | 40            | 3075          |
| भाग 1—विद्यप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण,<br>अधिकार और दूसरे वैयक्तिक गोटिस   |               |               |
| भाग १-क-नियम, कार्य विधिया, बाझाए, विझप्तिया इत्यादि जिनको<br>उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के<br>अध्यक्ष तथा राजस्य परिषद् ने जारी किया  | 17-44         | 1500          |
| भाग 2 आझाएं, विश्विपियां, नियम और नियम किछान, जिनको केन्द्रीय<br>सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई<br>कोर्ट की विक्रप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे                          | 11            | 1500          |
| राज्यों के गजटों के वदरण<br>भाग 3-स्वायस शासन विभाग का कोई पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड<br>एरिया, टाउन एरिया एवं निवांचन (स्थानीय निकाब) तथा<br>पंचायतीराज जादि के निदेश जिन्हें विभिन्न जायुक्तों |               | 975           |
| अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया   | -             | 975           |
| भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड  | -             | 975           |
| माग ५-एकासन्देन्द जनरत, सत्तराखण्ड _  | -             | 975           |
| भाग छ बिल जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए वा प्रस्तुत किए<br>जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों<br>की रिपोर्ट   |               |               |
| थाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य   | -             | 975           |
| निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां  | _             | 975           |
| माग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि  | 1-14          | 975           |
| स्टोर्स पर्वेज-स्टोर्स पर्वेज विमाग का कोइ-पत्र खादि  | _             | 1425          |

#### माग 1

विज्ञप्ति अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

# मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग-3

# अधिसूचना

# 31 दिसम्बर, 2007 ई0

संख्या 1069/पैतीस(3)/2007-चृकि, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) प्रधिनियम 2006 की धारा 6 के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को आदेश हारा, निरसन अधवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकृतन तथा उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक या समीचीन हों,

तथा, वृकि, उत्तरांचल मुख्यमंत्री विवेकाचीन कोष नियमावली, 2000, उत्तर प्रदेश पुनर्गतन अधिनियम, 2000 की धारा 88/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लागू है,

अतः, अत्र, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम रा० 52, वर्ष 2006) की घारा ६ द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यचाल, उत्तरांचल मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष नियमावली, 2000 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्यधीन लागू रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

उत्तराखण्ड (उत्तरांचल मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष नियमायली, 2000) अनुकूलन एव उपान्तरण आदेश, 2007

1-संक्षिप्त शीर्धक एवं प्रारम्म-

- (1) इस आदेश का सक्षिप्त नाम उत्तराखड (उत्तरांचल मुख्यमंत्री विवेकाणीन कोष नियमावली, 2000) अनुकूलन एवं संधान्तरण आदेश, 2007 है।
  - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2- "उत्तराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना-

उत्तरायल मुख्यमंत्री विवेकाचीन कोष नियमावली, 2000 में जहां-जहां शब्द "उत्तरायल" आया है, वहा-वहां वह शब्द "उत्तराखण्ड" यदा जाय।

आशा से.

सुभाष कुमार, प्रमुख राविव, मुख्यमंत्री।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 1069/XXXV(3)/2007, dated December 31, 2007 for general information:

#### NOTIFICATION

#### December 31, 2007

No. 1069/XXXV(3V2607—WHEREAS, under section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act. 2006 (Act No. 52 of 2006), the Uttarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment, as necessary or expedient.

AND, WHEREAS, the Ultiaranchal C.M. Discretionary Fund Rules, 2000 is in force in the State of Ultiarakhand under section 86/87 of the Ultiar Pradesh Reorganisation Act, 2000;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name)
Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that The Uttaranchal C.M. Discretionary Fund
Rules, 2000 shall have applicability to the State of Uttarakhand, subject to the provisions of the following order;—

# THE UTTARAKHAND (THE UTTARANCHAL C.M. DISCRETIONARY FUND RULES, 2000) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007

#### 1. Short title and Commencement-

- (1) This order may be called the Uttarakhand (The Uttaranchal C.M. Discretionary Fund Rules, 2000) \*- Adaptation and Modification Order, 2007.
  - (2) It shall come into force at once.

# 2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

In the Uttaranchal C.M. Discretionary Fund Rules, 2000, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, it shall be read as "Uttarakhand".

By Order,

SUBHASH KUMAR, Principal Secretary, Chief Minister

# वित्त अनुभाग-8 अधिसूचना

28 दिसम्बर, 2007 ई0

संख्या 797/XXVII(8)/वाणिठकर/2007-चूकि, उत्तराखन (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2008) की धारा ६ के अधीन उत्तराखन्द शासन, उत्तराखन्द राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को आदेश द्वारा, निरसन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकृतन एवं उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीवीन हों

अतः, अब, चत्तरायल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2006) की घारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, चत्तरायल मूज्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 को चत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्यक्तिन लागू रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदन्त करते हैं:--

उत्तराखण्ड (उत्तरांचल मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 1-संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्म-

- (1) इस आदेश का कटिना नाम उत्तराखण्ड (उत्तरांचल मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005) अनुकृतन एवं रोपान्तरण आदेश, 2007 है।
  - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

# 2-"उत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना-

उत्तरांचल मूल्य वर्षित कर अधिनियम, 2005 में जहां—बहा शब्द "उत्तरांचल" आया है, वहां—वहा वह शब्द "उत्तराखण्ड" पदा जाथेगा।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 797/XXVII(8)/vani. kar/ 2007, dated December 28, 2007 for general information.

#### NOTIFICATION

#### December 28, 2007

No. 797/XXVII(8)/vani. kar/2007--WHEREAS, under section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Uttarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment, as necessary or expedient.

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that The Uttaranchal Value Added Tax Act, 2005 shall have applicability to the State of Uttarakhand, subject to the provisions of the following order:—

# THE UTTARAKHAND (THE UTTARANCHAL VALUE ADDED TAX ACT, 2005) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007

#### 1. Short title and Commencement-

- (1) This order may be called the Uttarakhand (The Uttaranchal Value Added Tax Act, 2005) Adaptation and Modification Order, 2007
  - (2) It shall come into force at once.

#### 2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

In the Uttaranchal Value Added Tax Act, 2005, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, it shall be read as, "Uttarakhand".

#### 28 दिसम्बर, 2007 ई0

संख्या 798/XXVII(8)/वाणिकर/2007-वृकि, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2006) की धारा 6 के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के अम्बन्ध में लागू विधि को आदेश द्वारा, निरसन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकूलन एवं उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीचीन हो;

ाधा, वृक्ति, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्याचार कर अधिनियम, 1948) अनुकृतन एवं उपान्तरण आदेश, 2002, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 की धारा 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लाग् है:

उतः, अम, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2006) की घारा 6 हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनिदम, 1948) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्यधीन लागू रखने की सहबं स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

उत्तराखण्ड [उत्तरांवल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम, 1948) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

# 1-संक्षिप्त शीर्थक एवं प्रारम्य-

- (1) इस आदेश का सक्षिपा नाम उत्तराखण्ड (उत्तरांचल (उत्तर प्रवेश व्यापार कर अधिनियम, 1948) अनुकृतन एवं उमान्तरण आदेश, 2002) अनुकृतन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 होगा।
  - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

# 2-"उत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढा जाना-

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम, 1948) अनुकूलन एवं जपान्तरण आदेश, 2002 में जहां –जहां शब्द "उत्तरांचल" आया है, बहां –वहां वह शब्द "उत्तराखण्ड" यदा जायेगा।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 798/XXVII(8)/vani.kar/ 2007, dated December 28, 2007 for general information :

#### December 28, 2007

No. 798/XXVII(8)/vanil.kar/2007—Whereas, under section 5 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Uttarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment, as necessary or expedient;

AND, WHEREAS, Uttaranchal (The Uttar Pradesh Trade Tax Act, 1948) Adaptation and Modification Order, 2002 is in force in the State of Uttarakhand under section 86/87 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000:

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchai (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that The Uttaranchai (The Uttar Pradesh Trade Tax Act, 1948) Adaptation and Modification Order, 2002 shall have applicability to the State of Uttarakhand subject to the provisions of the following order:—

THE UTTARAKHAND [THE UTTARANCHAL (UTTAR PRADESH TRADE TAX ACT, 1948) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2002] ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007

# 1. Short title and Commencement-

- This order may be called the Uttarakhand [The Uttaranchal (Uttar Pradesh Trade Tax Act, 1948)
   Adaptation and Modification Order, 2002] Adaptation and Modification Order, 2007
  - (2) It shall come into force at once.

# 2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"--

In the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Trade Tax Act. 1948) Adaptation and Modification Order, 2002, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, it shall be read as , "Uttarakhand".

#### 28 दिसम्बर, 2007 ईव

संख्या 799/XXVII(8)/वाणिकर/2007-चृकि, उत्तरावल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2008) की धारा 6 के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को आदेश द्वारा, निरसन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकृतन एवं उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीधीन हो,

तथा, पृष्कि, उत्तरांधल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर निवमावली, 1948) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002, उत्तर प्रदेश पुनर्गंडन अधिनियम, 2000 डी घारा 86∕87 के अधीन उत्तराधण्ड राज्य में लागू है;

अतः, अब, तत्तरावन (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2006) की धारा ६ हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरावन (उत्तर प्रदेश व्यापार कर नियमावनी, 1948) अनुकूलन एवं तपान्तरण आवेश, 2002 को तत्तराखण्ड राज्य में निम्नानिखित प्राविधानों के अध्यधीन लागू रखने की सहष् स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

उत्तराखण्ड (उत्तरांचल जित्तर प्रदेश व्यापार कर नियमावली, 1948) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

# 1-संक्षिप्त शीर्थक एवं प्रारम्ब-

- (1) इस आदेश का सक्षिपा नाम उत्तराखण्ड (उत्तराचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर नियमावली, 1948) अनुकूलन एवं धपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण कादेश, 2007 है।
  - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

# 2-"उत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना-

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर नियमावली, 1948) अनुकूलन एवं उपानतरण आदेश, 2002 में जहां-जहां शब्द "उत्तराचल" आया है, वहां-वहां वह शब्द "उत्तराखण्ड" पढ़ा जायेगा।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 799/XXVII(8)/vani.kar/ 2007, dated December 28, 2007 for general information:

#### December 28, 2007

No. 799/XXVII(8)/vani.kar/2007—Wiesels, under section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2008), the Uttarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment, as necessary or expedient;

AND, WHEREAS, The Uttaranchal (The Uttar Pradesh Trade Tax Rules, 1948) Adaptation and Modification Order, 2002 is in force in the State of Uttarakhand under section 86/87 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000:

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that The Uttaranchal (The Uttar Pradesh Trade Tax Rules, 1948) Adaptation and Modification Order, 2002 shall have applicability to the State of Uttarakhand subject to the provisions of the following order:—

THE UTTARAKHAND [THE UTTARANCHAL (UTTAR PRADESH TRADE TAX RULES, 1948) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2002] ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007

#### 1. Short title and Commencement-

- (1) This order may be called the Uttarakhand [The Uttaranchal (The Uttar Pradesh Trade Tax Rules, 1948). Adaptation and Modification Order, 2002] Adaptation and Modification Order, 2007.
  - (2) It shall come into force at once.

#### 2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

In the Uttaranchal (The Uttar Pradesh Trade Tax Rules, 1948) Adaptation and Modification Order, 2002, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, if shall be read as, "Uttarakhand"

#### 28 दिसम्बर, 2007 ई0

राज्या 800(1)/XXVII(8)/वाणिकर/2007-वृकि, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम 2006 (अधिनियम संख्या 62, वर्ष 2008) की घारा ह के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को आदेश दारा, निरसन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकृतन एवं उधानारण कर सकता है, जो आवश्यक व संगीचीन हों;

तथा, यूकि, सत्तरांचल [सत्तर प्रदेश व्यापार कर (प्रमाणीकरण) अधिनियम, १९५८] अनुकृतन एवं स्पान्तरण जादेश, २००२, सत्तर प्रदेश पुनर्गतन अधिनियम, २००० की धारा ४६/४७ के अधीन सत्तराखण्ड राज्य में लागू है;

अतः, अब, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2008 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2008) की घारा 8 द्वारा प्रदर्श शबितयों का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल [उत्तर प्रदेश व्यापार कर (प्रमाणीकरण) अधिनियम, 1958| अनुकूलन एव उपान्तरण आदेश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्ययीन लागू रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रवान करते हैं:-

उत्तराखण्ड (उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर (प्रमाणीकरण) अधिनियम, 1958) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002। अनुकलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

# १~राहिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ-

- (1) इस आदेश का गरिया नाम उत्तराखण्ड (उत्तरायल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर (प्रमाणीकरण) अधिनिधन, 1958) अनुकूलन एवं उपान्ता आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तारण आदेश, 2007 है।
  - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

# 2-"उत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढा जाना--

उत्तरांवल जित्तर प्रदेश व्यापार कर (प्रमाणीकरण) अधिनिवम, १९५८) अनुकृतन एवं जपान्तरण आदेश, २००२ में जहां जहां शब्द "जत्तरांवल" आया है, वहां वह शब्द "जतराखण्ड" पदा जाग्रेगा।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 800/XXVII(8)/vani.kar/ 2007, dated December 28, 2007 for general information:

#### December 28, 2007

No. 800/XXVII(8)/vani.kar/2007--Wiereks, under section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Uttarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by visy of repeal or amendment, as necessary or expedient.

And, Whereas, the Uttaranchal [Uttar Pracesh Trade Tax (Validation) Act, 1958] Adaptation and Modification Order, 2002 is in force in the State of Uttarakhand under section 86/87 of the Uttar Pracesh Reorganisation Act. 2000

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name)

Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that The Uttaranchal [The Uttar Product Trade

Tax (Validation) Act, 1958] Adaptation and Modification Order, 2002 shall have applicability to the State of Uttarakhand subject to the provisions of the following order ---

THE UTTARAKHAND [THE UTTARANCHAL (UTTAR PRADESH TRADE TAX (VALIDATION) ACT, 1958) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007

#### 1. Short title and Commencement-

- (1) This order may be called the Uttarakhand [The Uttaranchal (Uttar Pradesh Trade Tax (Validation) Act, 1958) Adaptation and Modification Order, 2002 Adaptation and Modification Order, 2007.
  - (2) It shall come into force at once

#### 2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal" --

In the Uttaranchal [Uttar Pradesh Trade Tax (Validation) Act, 1958] Adaptation and Modification Order, 2002, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, it shall be read as, "Uttarakhand".

#### 28 दिसम्बर, 2007 ई०

रांख्या 801(1)/XXVII(8)/वाणि0कर/2007—वृकि, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2006) की धारा ६ के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को आर्थश द्वारा, निरशन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकृतन एवं उपानारण कर सकता है, जो अवश्यक व समीचीन हों;

तथा, बूंकि, उत्तरांचल [केन्द्रीय बिक्कीकर (उत्तर प्रदेश) निवसावली, 1957] अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002, उत्तर प्रदेश पुनर्यंडन अधिनियम, 2000 की धारा 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लागू है;

अतः, अब, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2008) की घारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल [कंन्द्रीय बिक्रीकर (उत्तर प्रदेश) नियमावली, 1957। अनुकूलन एव उपान्तरण आदेश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्यधीन लागू रखने की नहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं —

उत्तराखण्ड (उत्तरांचल (केन्द्रीय बिक्रीकर (उत्तर प्रदेश) नियमावली, 1957) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002] अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

#### 1--राक्षिया शीर्थक एवं प्रारम्भ-

- (1) इस आवेश का संक्षिपा नाम उत्तराखण्ड (उत्तरांचल (केन्द्रीय बिक्रीकर (उत्तर प्रदेश) नियमावली, 1957) अनुकृतन एवं उपान्तरण आवेश, 2002। अनुकृतन एवं उपान्तरण आवेश, 2007 है।
  - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

#### 2-"चत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना-

सत्तराधल (केन्द्रीय विक्रीकर (सत्तर प्रदेश) नियमावली, 1957 अनुकूलन एवं स्थान्तरण आर्दश, 2002 में सहा-सहा शब्द ''स्तराधल'' आया है, वहां-वहां वह शब्द ''स्तराखण्ड'' पढ़ा स्थाना।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 801/XXVII(8)/vani.kar/ 2007, dated December 28, 2007 for general information:

#### December 28, 2007

No. 801/XXVII(8)/vani.kar/2007 -- WHEREAS, under section 6 of the Ultaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Ultarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment, as necessary or expedient;

AND, WHEREAS, Uttaranchal [Central Trade Tax (U.P.) Rules, 1957] Adaptation and Modification Order, 2002 is in force in the State of Uttarakhand under section 86/87 of the Uttar Pracesh Reorganisation Act, 2000.

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that the Uttaranchal [Central Trade Tax (U.P.) Rules, 1957] Adaptation and Modification Order, 2002 shall have applicability to the State of Uttarakhand, subject to the provisions of the following order: ~

THE UTTARAKHAND (THE UTTARANCHAL (CENTRAL TADE TAX (U.P.) RULES, 1957) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007

## 1. Short title and Commencement-

- (1) This order may be called the Uttarakhand (The Uttaranchal (Central Trade Tax (U.P.) Rules, 1957).
  Adaptation and Modification Order, 2002 Adaptation and Modification Order, 2007.
  - (2) It shall come into force at once.

# 2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchai"-

In the Ultaranchal [Central Trade Tax (U.P.) Rules, 1957] Adaptation and Modification Order, 2002, wherever the expression "Ultaranchal" occurs, it shall be read as, "Ultarakhand".

## 28 दिसम्बर, 2007 ई0

संख्या 802(1)/XXVII(8)/वाणिकर/2007-चुकि, उत्तरांवल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम राष्ट्रमा 52, वर्ष 2008) की धारा ६ के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को आदेश द्वारा, निरशन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकूलन एवं उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीधीन हों;

तथा, पुकि, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश माल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 2000) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश. 2002, उत्तर प्रदेश पुनर्गंदन अधिनियम, 2000 की धारा 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लागू है.

अतः, अब, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, २००६ (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2006) की धारा ६ द्वारा प्रदत्त शर्वितयों का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश माल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 2000) अनुकूलन एव उपान्तरण आदेश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्यधीन लागू रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रधान करते हैं :--

उत्तराखण्ड [उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश माल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 2000) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002] अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

## 1-राक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्म-

- (1) इस आदेश का संक्षिपा नाम उत्तराखण्ड | उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश माल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 2000) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 है।
  - (2) यह तुरना प्रवृत्त होगा।

# 2 "सत्तराचल" के रथान पर "उत्तराखण्ड" पड़ा जाना-

उत्तरावल (उत्तर प्रदेश गाल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 2000) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 में जहां-जहां राज्य "उत्तरांपल" आया है, वहां-वहां वह शब्द "उत्तराखण्ड पदा जार्थगा।

in pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 802/XXVII(8)/vani.kar/ 2007, dated December 28, 2007 for general information

#### December 28, 2007

No. 802 XXVII(8)/vani.kar/2017—Whereas, under section 6 of the Ultimanchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Ultimakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment, as necessary or expedient;

Avo, Whereas, Ultaranchal (Uttar Predesh Tax On Entry of Goods Act, 2000) Adaptation and Modification Order, 2002 is in force in the State of Ultarakhand under section 86/87 of the Ultar Pradesh Reorganisation Act, 2000;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that the Uttaranchal (Uttar Pradesh Tax On Entry of Goods Act, 2000) Adaptation and Modification Order, 2002 shall have applicability to the State of Uttarakhand, subject to the provisions of the following order:—

THE UTTARAKHAND [THE UTTARANCHAL [THE UTTAR PRADESH TAX ON ENTRY OF GOODS ACT, 2000) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2002] ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007

# 1. Short title and Commencement-

- (1) This order may be called the Ultarakhand [The Ultaranchal (The Ultar Pradesh Tax On Entry of Goods Act, 2000) Adaptation and Modification Order, 2002] Adaptation and Modification Order, 2007
  - (2) It shall come into force at once.

# 2. "Ultarakhand" to be read instead of "Ultaranchal"-

In the Uttaranchal (Uttar Pradesh Tax On Entry of Goods Act, 2000) Adaptation and Modification Order, 2002, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, it shall be read as, "Uttarakhand".

### 28 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 803(1)/XXVII(5)/वाणि0कर/2007-चूकि, उत्तरांचल (नाम चरिनर्तन) अधिनियन, 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2006) की धारो ह = अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को आदेश द्वारा, निरसन अध्यवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकूलन एवं उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीधीन हो;

तथा, पृष्ठि, उत्तरायल (उत्तर प्रदेश व्याचार कर निर्देशिका, भाग-1, 1962) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश. 2002, उत्तर प्रदेश पुनर्गंतन अधिनियम, 2000 की धारा 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लाग् है;

अतः, अब, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम् 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2008) की घारा ह द्वारा प्रदत्त शक्तियां का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्याचार कर निवेशिका, भाग-1, 1962) अनुकूलन एव उपान्तरण आर्दश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखिट प्राविधानों के अध्यधीन लागू रखने की सहमें स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

उत्तराखण्ड (उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर निर्देशिका, माग-1, 1962) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

# 1-संक्षिप्त शीर्थक एवं प्रारम्म--

- (१) इस आदेश का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड |उत्तराचल (उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर निदेशिका, भाग-1, 1962) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002], अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 है।
  - (2) यह सुरन्त प्रवृत्त होगा।

# 2-"उत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पदा जाना-

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर निर्देशिका, भाग-1, 1962) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 में जेही-जहां शब्द "उत्तरांचल" आया है, वहां-वहां वह शब्द "उत्तराखण्ड" पढा जायेगा।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 803/XXVII(8)/vani.kar/ 2007, dated December 28, 2007 for general information:

#### December 28, 2007

No. 803/XXVII(8)/vani.kar/2007~WHEREAS, under section 6 of the Ultaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Ultarakhand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment, as necessary or expedient;

And, Whereas, Uttaranchal (Uttar Pradesh Trade Tax Manual, Vol-1, 1962) Adaptation and Modification Order, 2002 is in force in the State of Uttarakhand under section 86/87 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act. 2000.

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Uttaranchal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that the Uttaranchal (Uttar Pradesh Trade Tax Manual, Vol-1, 1962) Adaptation and Modification Order, 2002 shall have applicability to the State of Uttarakhand, subject to the provisions of the following order:—

THE UTTARAKHAND [THE UTTARANCHAL (UTTAR PRADESH TRADE TAX MANUAL, VOL-1, 1962) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007 ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER, 2007

#### 1. Short title and Commencement-

- This order may be called the Uttarakhand [The Uttaranchal ( Uttar Pradesh Trade Tax Manual, Vol-1, 1962) Adaptation and Modification Order, 2002. Adaptation and Modification Order, 2007.
  - (2) It shall come into force at once.

#### 2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

In the Uttaranchal (Uttar Pradesh Trade Tax Manual, Vol-1, 1962) Adaptation and Modification Order, 2002, wherever the expression "Uttaranchal" occurs, it shall be read as, "Uttarakhand".

#### 28 दिसम्बर, 2007 ई०

संख्या 804(1)/XXVII(8)/वाणिठकर/2007-वृक्ति, उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2008) की धारा 6 के अधीन उत्तराखण्ड शासन, उत्तराखण्ड राज्य के सम्बन्ध में लागू विधि को आदेश द्वारा, निरसन अथवा संशोधन के रूप में, ऐसे अनुकृतन एवं उपान्तरण कर सकता है, जो आवश्यक व समीधीन हों;

तथा, पृक्ति, पत्तरांचल (तत्तर प्रदेश व्यापार कर निदेशिका, भाग−2, 1962) अनुकृत्तन एवं उपान्तरण आदेश. 2002, उत्तर प्रदेश पुनर्गतन अधिनियन, 2000 की घारा 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लाग् है;

अतः, अब, उत्तरावल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 (अधिनियम संख्या 52, वर्ष 2006) की घारा ६ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर निदेशिका, धाग-2, 1962) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 को उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित प्राविधानों के अध्यधीन लागू रखने की सहयं स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

उत्तराखण्ड (उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर निदेशिका, भाग-2, 1962) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

#### 1-सक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ-

- (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश व्यपार कर निर्देशिका, भाग-2, 1962)| अनुकूलन एवं अपानारण आदेश, 2007 है।
  - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

# 2-- "उत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" यदा जाना-

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर निर्देशिका, भाग-2, 1962) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 में जहां-जहां शब्द "उत्तरांचल" आया है, वहां-वहां वह शब्द "उत्तराखण्ड" पदा जायेगा।

in pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 804/XXVII(8)/vani.kar/ 2007, dated December 28, 2007 for general information:—

#### December 28, 2007

No. 304/XXVII(8)/vani.kar/2007--Wise seas, under section 6 of the Ultranichal (Alteration of Name) Act, 2006 (Act No. 52 of 2006), the Ultraniand Government may, by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment, as necessary or expedient.

And Missis distanche dier Pracest Trane Touth a Cizik Line a 1 1 m Order 2002 is inforce in he Stale of unarakitand indense, or of 6° 111 e Livip adeshine a Livip Alliano.

Now There are in exercise; he powers onto edity, sector in ellipse and name Act 2.06 Act No. 52 or 20 in the sove horis last interesting off, all the State is a disk Manual voil 2.1962 Adaptainment Modifical of the Live and a takens, and the State is always subject to the provisions of the following order —

THE CTARAKHAND FTAHANCHA CUTTARPHACH 4 FALE 4/MAN A . . 2 4 A 2 A 14

AND MODELAL NORTH RESOLVAND MODEL CELLS AND MODEL CELLS

#### 1 Short title and Commencement-

(2) it shall come into force at once

#### 2, "Ultarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"

23.12 whorever the expression "Uttaranchall occurs it shall be read as. "Uttarakhand"

#### 28 दिसम्बर, 2007 ई0

राज्या 805 / ६६६३ 8, र 10 0 62 / 2007 ्रेट्यलं वर्गती हु विभिन्न व वर्गस्य राज्य ५. व 2008) ही तर कव अधि त्याराज्य कर उन्हेंच वर्गसम्प्री लाव हा । अस्य र 155ए। प्रथम स्थापन के की देश अकर्मण्य वर्ग पर स्थाप है वी अत्यक्षित र सीवी ही

तायाः पृक्तिः इतः रहतः अर्थः जार्यकः विदेशिकः राज्ये र सः र तथ्यकः आहुत्तवस्ति । सः र जार्थः २०११ र तर्मारी इनः अद्यानीयम् २००८ करियास्य १५ । सः र र र र र र स्थापन राज्ये

भ अब १६६ (ल. १) रूपेर (क) आदि । २००६ अदि विकास सरकार ४, वधा २००८ है र १० वर्ष व १ वर्ष । १००८ है र १० वर्ष व १ मुचिता कि अवस्था करक र व्यवसाल करार चल अस्त्र के अस्त्र के भिदेशित स्वास्त्र १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष र अपान के प्रदेश २००२ की कर्नास्त्र हार स्वास्त्र भ विकास व अस्त्र १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष १ वर्ष १

उत्तराखण्ड ्उत्तराबल (उत्तर प्रदेश चप्र कर निदेशोंक स्थेड र भार १ 1978) अ (क्लून १) उपा तर्म आ (श 2002) अन्कृतन र्व उपन्तरण अवेश 2007

#### १ -र.सिया शीर्धक एवं प्रारम्भ-

ा उर आदेश का रक्षित का उत्तराखण्ड 'त्तार बन (उत्तर प्रदेश का तन कर विदेशिक राज्य व करात्रा करात्री का राज्य व करात्री का राज्य व करात्री का राज्य का राज्य करात्री का राज्य क

# (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

#### 2-"उत्तराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना

अन्य बल १९ त १८ वर्ष अया है वह वहा वह इच्द व्याप १५०८, अध्कन्धर वस्ता स्थाप स्थाप १८०० । १ कि. १९ वर्ष अया है वह वहा वह इच्द व्याप १६० वस्ता।

in pirk ance of the powers of Claimers of Annual AB in the Constitution of India the povernor site ance of more than a bring to the prowing the site of the floation no 805/XXVII(8)/van kar/ 2007, dated December 28, 2007 for general information

#### December 28, 2007

No 805/XXVI (8), vani kar 2007 - A second of the cital anchal. Alteration of Name Act and Act

Also Weekess Ultarancha Littar Pradesh Trace Tax Manual Vo. 3 Part 1 1978) Adoptation and Modification Order 2002 is in force in the State of Uttarakhand under section 86.87 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000

N. w. Therefore in exercise of the powers conferred by section of the Interanchal (Alteration of Name Ant. 2016). Act No. 52 of 2006), the Governor is preased to direct that the ultranchal Utilar Pradesh Trade Tax Manual Vol. 3. Part 1 – 978. Adaptation and Modification Order. 2007, sila have applicability to the State of Ultranshand, subject to the provisions of the following order.—

THE JTTARAKHAND LITARANCHALI, ITTAR PRACESHIRACE TAX MANLAL OUT RAPET LIGHT ALLAPTAL AND MICHELLAR OF TARRANCHAL ALLAPTAL ON ALLAPTAL AND MICHELLAR OF TARRANCHAL ALLAPTAL ON ALLAPTAL AND MICHELLAR OF TARRANCHAL ALLAPTAL ON ALLAPTAL ALLAPTAL ON ALLAPTAL ON TARRANCHAL ALLAPTAL ON ALL

#### 1 Short title and Commencement-

This order may be righted the obtained to 1 The obtained a transfer transfer to the first of the second of the sec

(2) It shall come into force at once

## 2 "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"—

to the Use as the Entert Trade Tax Style or Part 150 st Adamator and Mid not not the common the common State of the common Sta

#### 28 दिसम्बर, 2007 ईव

र रूप 806(1)/ ६६६म ८)/ वा में 0कर / 2007 मो के मिराजा (नाम स्वितन) अधिक्रिया 2008 (अधि म र रुप ५) में 2006) ही एर रुक्त अधि कर्रात्सकर मारान कर्रात्मण रुद्ध है रखा छ माना में तो को अपेश रूप विस्ता में अध्यासको छ क्रिया वे में से अभूमानान एक्टरास्क कर राम है जो अध्यक्षक न सामिती ।

्राप्त मृक्ति । तर वल (र र प्र'ण स्थानर हर विशिक्ष स्थान र भाग , अन्कला , । पर रा । । । र १०२ । वर प्र'र पुना न अध्योधी र २०० की सारा ४६ ॥७ ७ कुछी। । तरारुष्ट र मुजन १

अर प्रव रहत तल (११६ तेर. ११ प्रधितियम २००६ १ प्रोदितियम सम्या ५८ वर्ष २००६ की तर ६ ५ - प. १ शक्तितों के तथा के के राज्यपाल - - - र १ कि ब्रिशिक स्थाप १ कि १ के कि स्थाप १ कि अप १ कि वर्ष कि स्थाप १ कि व इसि चरण १४ १४ - २००८ की उत्तराखण पाया ने कि ब्रिशिक स्थाप के प्रद्याधी । तथा रखा वी रहण स्वीतु वि प्रदान कारते हैं ल

उत्तराखण्ड (उत्तराचल (उत्तर प्रदेश आधार कर निदेशिता खण्ड २ माम २) अन्तृत्वन एव उपा तरण जादेश २००२, अनुकृतन एव उपान्तरण आदश २००७

## 1 सक्षिप्त शीर्थक एवं प्रारम्म-

(।, उस आदेश का सहीत तक दणकर्णा, विस्तासका (उसर प्रशा खामार कर वेडिस्विन स्था । ३ भाग / अध्वाला एवं ना संस्था अर्थ । १३ वर्षाला एवं पालास्य आलेश २००७ है।

(2) यह तुरन्त अवृत्त होगा।

# 2 उत्तराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढा जाना—

ा लासिल (अगर प्रापंत कार्यात कर विदेशिका स्पाद ३ भाग २ प्रात्कृतन एवं स्थानशण प्रादेश शाप्त व ता चारा शब्द अन्यासल अग्या है वहां वह वह सम्दा अन्यास्त्रण्य पद्धा वृत्याम्

n pursuance of provinges 3 as 3 during 44% a he Cors 1 in of not 1 during 1.

purased or internet in a notifier with a not continued on the core of th

#### December 28, 2007

Asi Wiles Interacha "a Praces Telefax Mailla e 3 Pari, Alesta e 1.1.

Order 2002 si torce nithe State et litterakna in inde section 86.8 in in illin Pradesh Heniqui in 2000

Now These the it exercise of the powers code remiy section of the laterages A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 is A = 10 is A = 10. The A = 10 is A = 10 in A = 10 is A = 10 in A

#### 1 Short tille and Commencement-

A ton the terms of the terms of

#### (2) It shall come into force at once

#### 2. "Utfarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"---

with the transfer of the state of the state

#### 28 दिसम्बर 2007 **ह**ै

्या कृष्टि कर का अपन्य स्थापन हर सहिन्दा है। राज्य का कि कि कि कि कि का का कि का का जारी राज्य कर कार प्रदेश कर अपनिष्या राष्ट्राच्या के अस्ति स्थापन असी का कारण्यां की राज्य के आये हैं

ार अब उत्तरावल के गोरे, रेगो आगिरोधिय 2006 (घोड़ी किस रहाश कर वाप 2008) को घरा है। आर ो प्रदेश सकता है का प्रवास करके चार कल उत्तर बला का प्रदेश व्यापन के लाज है देह स्थान लागिया । प्रकृति प्रवास करते हैं देश 2002 को कालाखण्ड राज्य में निर्माण्यक्त प्रविकाश के आध्यक्षीन लाह करते हैं। स्वीकृति प्रदान करते हैं ⊶

नेगारिकाण्ड (उत्तराज्य प्रदेश व्यापार कर शायना केन्द्र रुवल जल गेदिरिका) अनुकूलन ए। तथा = आदेश २००२] ५ मजन एवं उपान्तरण आदेश २००७

#### 1 -सक्षिप्त शीर्धक एव प्रारम्भ-

1 (स. अ.देश का संक्षिप, नाम उत्तराखण्ड कल चल (उत्तर प्रदेश व्यापार कर सहायक के द्र) राचल (ल. ो (त्रिका अनुगुलन एवं उपान्तरण आदेश 2002 अनुकृतन एवं स्थान्तरण आदेश 2007 है

# (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

#### 2-"उत्तराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना -

नेत्रशासल १८ र प्रदेश त्यापार कर सहायता के द्र सचल दल िशिका अपूकलन एवं स्पानरण अदेश २०१२ । तहा तह राज्य तर्गणचली प्राया है वहां वहां वह । सन् १५७१८ प्रदेश गणेणा

"pury annext he provised sof Clause 3 of 4.1. 343 of the Constitution of india, the Governor is present under the provised to the following black in section of soft state on no 807 XXVII(8) vani kar 2007, dated December 28, 2007 for general information.

#### December 28 2007

And Whereas Ulteranche Ulter Pracesh Trade Text Post Motive Situad Manual Adaptor of and Modification Order 2002 is nitorice in the State of Texture and under section 65.87 or the Unit Pracesh Representation Act, 2000.

Act 2009 (Act No. 52 of 2006) the Bovernor speased did ect hallness transcribed Pranesh Trade fax here. Pro Mobile Squar Manual Aca, taken and Modification Cross 2002 shall have applied to the provisions of the following order.

THE ITTARAKHAND THE TTARANCHAL TTARARDESH TRALETAX AS TE POST MER ESTADA MANJAL ADAPTATIL NANDMOTE SICATION ORDER 2012 ACAPTA LINANDMODERICATION ORDER 2013 ACA

#### 1 Short title and Commencement-

Torondo may se of a marak of the troop the Partings I and Met on a Marak of a decided be a Adaptama and the four

(2) I shall come into force at once

#### 2 "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

sellbaran. ( ta h tesh T sie Tix les e Mixe e end Mille Adaptario e Mille in in

#### 28 दिसम्बर, 2007 ई०

सारुया 808 1) / ६६६ ॥ (8) व विक्रिकेट २००७ ज़िके र त्यावर अविशेष प्रदेशी हम , अ अकित विमे सारुव ५० वर्ष २००८ की रहण के अर्थ र दिक्तर हा अपन का रहन र शक सम्बद्ध में अ जीवित आहें श ु । एस अथवा रशह कि रूग वे एर अर्थन र एक रहन र एक र के अकट व रस्ते कि ही

म्य बुक्ति । रचन र प्रदेश वा रक्षण र प्रदेश पे 'ीच म जलाएव १ धार 2002र स्वरुप्त प्रदेश र प्रविधिक्त 27.30 की घर 86 87 व प्रविद्या रूप स्वरूप से लाई

भत प्रमानिक्त प्रति प्रमान करके ज्यार के राज्य में पिल्लाभाष्ट्र प्रतिकार के अपने के अपने के स्वार्थ के अपने के स्वार्थ के स्वार्थ

राजराखण्ड (संसराजल (स्तार प्र.श. व्याचार वार राज्य प्राधिनियो निरीण का, प्रमुक्तन एक स्थानर्थक आदेश, 2002) अनुकृतन एक स्थान्तरण आदेश, 2007

#### १-शक्षिप्त शीर्धक एवं प्रारम्भ-

। इस आदेश के रहार में जार खाण्य कार बच जार प्रदेश कर के राज्य प्रांत है। भावान एवं कार्यन्त के राज्य प्रांत है। भावान एक कार्य कार्य के राज्य प्रांत है।

# (2) यह सुरन्त प्रवृत्त होगा।

#### 2- "उत्तराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढा जाना

न्तरायल जन्म प्रदेश स्थानक कर ताल्य प्रता २ केन्द्रिका, अपूक्त ४ स्थानारण पार्टक अपार्ट । जहां जहां राज्य "सन्तरायल" आया है, वहां वहां वह शब्द "सन्तराखण्ड" पढ़ा आयेगा

Haser 15 order 19, 12 on 11 et al. a. s. 1 ense co con 12 on 808/XXVII 8, van kar/ 2007, dated December 28, 2007 for general information

#### December 28, 2007

No 06 XXV 8 vani kar 2007: A service of the Arman Arma

Art. Where as the Uhavancha Toe of an Progesh lade Tax State kep esert at ve Min. In and Modification Order. 2002 is inforce in the State of Uladakhand under the in An 81 n. It is a ship Reorganisation Act. 2000.

Act 2006 Act No. 52 of a file of the powers on light of the standard of the st

THE I TARAKHANE THE TIALAN HILL HE STEARCH SESHTE E NO TATE PERE IN A MAN AL ADAPTAT NAME MEDICATION CHIEFR . AS A NOTATION OF THE FILMS HE FEET

#### 1 Short fittle and Commencement-

- This can be at the party of the arms of the Tank of th
  - (2) It shall come into force at once

## 2 "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"—

e tarancia te femit for special end of Month

#### 28 दिसम्बर, 2007 ईg

रेस्ट्री 809(1) / ६६६ तस व विकर टावर वृष्टि प्रस्तावल प्राप्त न प्रति के को स्था स्थापन के को स्था स्थापन के स सोरक्षा र, अर्थ 2006, में पार के प्रति कि व्यक्त व वर्षन के प्रस्तिक के स्थापन के स्

स्य पृष्टि । प्रवास १००१ । उन्हासिको विदेश वास्त्र क्षेत्र का स्था सन् १ प्रविद्या पुनरीत । प्रवेश का स्वर्ध का अस्ति । उन्हास का स्वर्ध

त अब रिहिन्सिन १४म र २०) प्रीतिरा १००६ । त्रीप्रमासस्य ६, १० माम क्री राष्ट्र ६ । अहि ज र शक्तिय के बात्ती करके र यातल - राधल - १८ ५१४ रहे १८ ५२ कर माउँ १० विक्रिया प्रमान अनुकान ता समासरण प्रार्थि २०६२ की संसर्थ - रुप्य में विकासिक्ट प्रावेश में कि जारत न , अपने करे सहाई रहक्ती प्रधान करते हैं =

प्रतिशक्ति । पर प्रदेश व्यापा वर अधिकरण विनासन 1988) अप्रूपन एव प्रातन्त्र अदेश 2002 वन्त्रा एव उपान्तरण वदेश 2007

## १--सदिगत शीर्षक एव प्रारम्म-

ा हरा प्रादेश का सहेका नाम उत्तराखान्द नत्न चल उत्तर प्रदेश व्यवह कर प्रविकरण 'वे नेमम १८८१ व (मूलन व द्या तरण अर्थर' 2002) अनुकृतन एवं एएन्सरण आर्थश २००७ है

# (2) यह सुरन्त प्रवृत्त होगा।

## 2 "अत्तरांचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढा जाना-

ार चल ातर प्रदेश त्यापार कर अधिकरण विशेषका १००० प्रकृतन व उपास्तरण अदेश २००७ वे वहां वहां शब्द वटनेचान अस्य है वहां वहां वह शब्द । वरूड पद वार्यवा

The subscient the force of Clause 2 of the 48 of the 2 ship for if note the proportion of the proportion of the proportion of the force at E.g.s. as a choff of the proportion of the force of the force

#### December 28, 2007

No 809/XXVII/8)/van kar 2007- W ... Inder section 5 of the Citation of Nation Action A

And Whereas the Ulla ancha. The litter Prodeshing de Tax Tribural Regularions 1988. Adapta on and Modification Order 2004 is inforce in the State of ultrataktiand under sect 2. 65.87 of thir. Iter Prailigan Reorganisation Act. 2000.

No These like in exercise of the powers conferred by section 6, the Littarancha, Attention of Name Anti-2106 (Actino 52 of L. 5), the Governor is pleased in dren, the help all that Practish 1 ade fax. Tribunal Repulsions, 1988, Apapa on and Modification. Order Linux's a thave applicability in the State of Uttarakhand, subject to the provisions of the following order. —

ALA FAT ON AND THE TRANSPAL CITAR PROJECT TRACE THAT IN MACRES, FAT CHITAL ALAS ON AND MILE CAT CAUGHDER 25 D'ADAR 25 D'ADAR 14 TE CAT ON CELLE AND

#### 1 Short title and Commencement-

The souther by the size of pharmaches Too was only the south of Tax Titles here as

(2) I shall come into force at once

#### 2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

the transfer of the transfer of the transfer or Marting to

#### 28 दिसम्बर 2007 ई०

संस्थे 810(1)/६६६(1(8), १ कि.०कर, २००७ के राज्यान नापरित्र अधिकित है है (अर्थात्त्र) संस्था के स्था 2000 कि पार एक के अर्थि रहार एक स्था प्रत्या के समाधा कर्या अर्थ का अर्थ के विरोध अथान संभाव कर कि.सी. के अर्थ अर्थ अर्थ कर कर है व अर्थ का स्था

अपर अर्थ कार मार्थ हुन्यां वार्ष क्षा कार विकास कार्य कार्य कार्य का विकास कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य अपर अर्थ कार मार्थ हुन्यां वार्ष कार्य कार्य

भाग प्रेस हो। इस साम १९३१ अदि विम 2006, अविशेष्ट्य सन्दर्भ १८ वर्ष 2008 व वर्ष र प्राप्त भाग प्रदेशों के प्रवर्ष करते । जा राजा व्याप्त स्थापक प्रदेश व्याप्ति के शब्दाधीन लागू रहा है रहते अहिरुता रहा प्राप्त करते हैं के प्रदेश कर राजा के अध्याप्तीन लागू रहा है रहते प्रदीकृति प्रदान करते हैं क

प्रसरित्याच उत्तरीचल उत्तर ब्रांश सहायक आयुक्त तथ यापार र विदेशिका अन्∓वन एव उपान्तरण प्रारंश 2002 अनुकृतन एवं ३३ नरण ब्रांग 2007

#### राहि।प्त शीर्थक एथ प्रारम्म

ा प्रवास का राज्य विश्वस्था । प्रवास स्थाप का अध्यास व्यवस्था । प्रवास का अध्यास व्यवस्था । प्रवास का अध्यास व विश्वस्थित अध्यास प्रवास । विश्वस्था । अध्यास विश्वस्था अध्यास । अध्यास विश्वस्था अध्यास । अध्यास विश्वस्था अध्यास ।

(2) यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

## 2-"उत्तराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पटा जाना-

ांपायल राज्यासाम्बद्धाः प्रदेशक राज्यासाम्बद्धाः स्थापास्य अपूक्तः एव स्थानारण आद्या 2002 । राष्ट्री साथक्ष्य क्लानाम्ल आत्रा विद्यालहाः वृद्धाः शब्दा राज्यास्य द्याद्वालगानाः

pires ranne in Aprovision Carrier (A. e 348 pire C. s. a. no. 810 XXVII-8, vani kani 2007, dated December 28, 2007 for general information

#### December 28, 2007

Ann America the taranche transportations of many and Transport and Modification Older 2002 sinito hain the State of La arrand Jimenises in Rh. Rh. Rh. 1 . Reprognisation Act, 2000.

Ny THERE THE FAR SHOT TENENES STOR RT SECON THE LATER A . CIT. R Apr 2006 Act No 52 ) . fr the 3 per size sed le naire 1. Mar Pint A of Ulterakhand, subject to the provisions of the following order

THE TTARAKHAND THE TTARAS H. " TIDER . . . . " N" PINCE FOR E X MAN ALADAPTATION AND MILE AT UNIT WELRE AT UNIT WE AT IN THE FIRST IN

#### 1 Short title and Commencement-

I sole was to gro . In N 1 is A street of the Arm

(2) It shall come into force at once

#### 2 "Utterakhand" to be read instead of "Utteranchal"---

The Paper Control wang tee

#### 28 दिसम्बर, 2007 .O

हा किस्ता प्रशिव रहा करून में भावता है है । इ.स. १ वी अवस्थान होते हैं

1 Pm 412 1 , p = 11 12 m, x mod 1 1 1 1 1 1 1 1 

H SH TYMES GOT US 12 ST 2006 WIT THE REST SO HE 2008) BIT P O W 1) . . . भेरता क्या करेक कि रहे रहे कि अपने के कि अपने इ.स. च राम इस्ट अवर्षर २००२ व - ४१/५० र - न २० विस्तित धारी कर्षा इ.स.च्या र ४८४ वर्षा ई. उस् रवीकरि प्रदान करते हैं '-

रातर (ण्ड उत्तराचन - प्रार्थिमानीय - १ पा का रन्दर नेदिशिका) अनुबुल- ६व उपान - देश २०० अन्त्र न वि उपान्तरण अर्थ २००७

#### सक्षिप्त शीर्थक एव प्रश्राम—

र इस अपनेत्र का सहिला सक उत्तर होत्र उत्तर वाल उत्तर वादेश किए "। राहिया का अनुरक्षण विभाग ह कलन १ व एपालरण अ देश 2002 अनुकृत । एवं सान्तरण आदेश 2007 है

# (2) यस सुरन्त प्रवृत्त होगा।

#### 2-"उत्तराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पदा जाना

्राव्याचल उत्तर प्रीट' वैभाग प्रित्र हेमां के अन्तार निर्देशिक चन्तान र एवं उपान्तर अन्दर 2002 में ार्ग कहा गब्द रेस चल ५ मा रेगा वहा वह राब्द है। इस्ट बद्धा है देस

I are an importance that and the fact confined the above the Risk in which is the letter than E is a said office in no 811/XXVII 8)/van kar. 2007, dated December 28, 2007 for general information

#### December 28, 2007

No 811/XXVII 8) wan kar 2007-- A - - - - Inder section 5 of hell transmit has Adenation of Natile Act in A No 52 of 20th in the aband Greening that conser make such adaptation and modification of the raw by way of repeal or amendment, as necessary of expedient

AND WHEREAS the Uttarencha Hottar Pracesh Departmental Venicle Manual (Adaptation and Moult cation Order 2002 is in force in the State of Uttarakhend under section 86.87 thine dittar Pracesh Ronganisa ion Act 2000.

Now Therefore in exercise of the powers conferred by section 6 of the Ultarancha. Alteration of Nation, Act 2006, Aut No. 52 of 2006 in the Governor is recased to linear that the literancha cultiar Prades. Depairment at vertice Manual Adaptation along the trication 0 der 2002 shall have applicable to the State of 1 at it and subject to the provisions of the following order.

ALAPTATION AND MEDITAR AN ORDER 2 HOLD APTATION AND MEDITATION AND

#### 1. Short title and Commencement-

Mount, along Min as der 2 , 4 a 1997 to 14 , 607

(2) I shall come into force at once

# 2 "Uttarakhand" to be read instead of "Uttarancha

to that a strict Parks To the extension of the Mark At a to the Month you had a second of the extension of t

# 31 दिसम्बर, 2007 ई०

भ अब उर्वाचावन कि है। प्रदिश्चिम 2006 (श्रीतीयम स्टब्ट, ६, १४ 2006, को कि कर्ताती श्रीतिकों के ब्राजीम करा राज्यान । राजन के दी कि विकास कर विश्वम 2006 को कार्यास्त्र, राजन कि क्रिया प्रकृतिकां व अध्यती। लाकुरस्की संस्थान कर्ताती

तत्तराखण्ड (उत्तराचल के ईं विक्रय कर नियम 2006) अनुकूल । एवं उपान्तरण आरोश 2007 1-स**डिप्त शीर्थक एवं प्रारम्ब**-

१ हर आहेश का राहता विच १५ रहा विच १५ रहेश १००० । र एव चेपा-चेरण आदेश, २००७ है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

# 2-"उत्तराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढा जाना-

ार्थक केंद्री के किस 2005 में कहा है। शब्द लगा प्रकृष्टि वहा उ. १ शुक्र 'डिलीसाखाण्ड' पढ़ा आयोगा

ANSING THE PROPERTY OF THE PRO

#### December 31 2007

N <12 X x x 8 vant k yr 2007. \* A grain file to the Action of the law by way of repeat or amendment, as necessary or expedient:

New Transports nevertise of the powers commerced to section to the Unarabonal queration of Act 2006 Act No. 2 of 2006 in the Governor side section of cities to all the sections of the section of the se

THE UTTARAKHAND THE ITTARANCHAL ENTRAL SALESTAX (1 + S.2) IS ADAPTAT IN AND MODIFICATION ORDER 2007

#### 1. Short title and Commencement-

This order rail to the the the transfer to the

(2) I shall come into force at once

#### 2 "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

Fisher Jitlaranc In 1975 To King Jit All evertheir in Sir Hills to read as, "Uttarakhand"

#### 31 दिसम्बर 20.7 ईo

अंतराख्यां ( त्तरताल मृन्य वर्षि । वर नियम २००८ अन्कलन ए। उपन्तरण आदेश २००७ १-सक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्म-

ा ्र आरंग के संहेत र प्रदर्भ प्रधान १२ वर्षे १२ - २००५) अनुभव एन । तस्त्र आदेश, २००७ है

(2) गह सुरन्त प्रवन्त होगा।

# 2-"उत्तरावल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढा जाना-

र पंल भूल्य प्रदेश कर निधम २००५ में जहां जहां अन्य गांचर अन्या है वह वह वह राज्य जिल्लाक्षण्डा यदा आयेगा।

pleased! Index the pure about of the first are serion or in the index he provened as 2007, dated December 31, 2007 for general information.

#### December 31 2027

No 813/XXVII.8, vani kar 2007 - V ... de ... ch 6 of he Literaricha Alle after "I Name) Act ... In Art No. 2 r. z his the ... where Sovernme : ... by order make sich adaptation an ... hydride jugnin the law by way of repeal or amendment, as necessary or expedient,

Act No 52 of the societ is present on entitle bitarancha. Ace at only Name. Act No 52 of the societ is present on entitle bitarancha value Added Till Rules. It is a have about the State of the State o

# THE UTTARAKHAND THE UTTARANCHAL FACE ADDED TAX RULES 2005 ADAPTATION AND MODIFIC FION ORDER 2007

#### 1. Short title and Commencement-

- 1. This order may be talled the Utterakhand. The Litalancha, value Added Tax Rules. 20(5) Artali kilo and Modification Order. 2007.
  - (2) It shall come into force at once

#### 2 "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal" --

to Maranit is a Astronomy Robert of Astronomy Robert (Astronomy Robert of Astronomy Ro

#### 31 दिसम्बर 2007 ई0

र रुवा 814 ()/९६६((8) विभिन्तिर/2007 तो हिन्दुवान स्व १८) क्षिक्षिक 2000 वर्ष रुव रुवा कर अर्थ 2006 वर्ष राज्य । अर्थ प्रारंख अर्थ प्रतिस्थित रुवा स्व स्व से लाग्नी कि । (१) तारा कर अरुक्स सम्भावता । उन्हें में देशे अरुक्त प्रव भागित कर रुवा है वर्ष अरुक्त करोती क

र होते । र प्रांत क प्रवेश पर कर दिनाहरण अन्य र प्रांत भाषा है। धारा 88787 को आधीन वेदाराखण्ड राज्य में लाख है

र प्रतिस्थाति । प्रतिस्थाति । द्रियोति । 2006 विदिधिक रहा, ५, १४ २००६ की वास्त राज्य । शीक्षा का प्रतिस्थाति । तस्त वार्वाशास्त्र के उत्तर शिक्षाओं १९९५ वास्तर । राज्य । स्थापिक वास्तर । प्राविधानों के अध्यक्षीन लाम् रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ~

# उत्तरसंबर्ध (त तर प्रदेश शास के प्रदेश पर कर नियम है। 1999) अपूर्ण । एवं छपान्तरण आदेश, 2007

#### । सोक्षेप्त शीर्षक एव प्रारम्म -

(२) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

## 2- एतराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना-

१ प्रदेश न के तार विश्वपादनो १९९९ में राष्ट्र १६ तन आहे. १६ तन आहे. १६ कि १ शब्द "जुन्साखण्ड" थ्वा अधिमा १

Listance of the figure of the Listance of the algerian section to the section to

#### December 31 2007

under section 86 87 of the Utter Prade sh Reorganisation Act, 2000

A DE PROPERT DE SA PERSONA PARTICIPANTA DE LA PROPERTA DEL PROPERTA DE LA PROPERTA DEL PROPERTA DE LA PROPERTA DE LA PROPERTA DEL PROPERTA

# The Uttarakhand The Uttar Pradesh Tax on Entry of Coods Rules 100 Adaptation and Modification Order, 2007

#### 1 Short title and Commencement-

This order may be alled the it asks out This is Prodect To the Color to a Adaptation and Modification Order, 2007

2) I shall come into force at once

#### 2 "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

it shar be read as, "Utlarakhand"

#### 31 दिराम्बर, 2007 ईo

रता (1 २०२५) सार वर्ष के उस्ति किस्ति र १ किस्ति र १ किस्ति के अधीन उसल्यायक राज्य में स्थायत् लागू है

न्यवर न्यार प्रतार प्रतीश । पार कर व्यवकरण (विधारीय सहर ) र स विचयवानी अनुकृतन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

#### १ - राक्षिप्त शीर्धक एव प्रारम्भ -

् सः प्राप्त कर सर्वतः । १२० २२० ४८० ४८० १ ४८० (भिन्नते) र स्थ ४० नियमावली, 1991। अनुकृतन एवं उपान्तरण कादेश 2007 है।

(2) मह तूरन्त प्रवृत्त होता।

#### 2-"तसराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पदा जाना-

प्राप्त कर कर संधिक्तर विकासिक र च , सर्व विकास की 1991 ने उन्हें एक उपस्थान अभ्या है, बहा **बहा वह शब्द 'सेलराखण्ड'' पढ़ा अरवेगा।** 

ritursuar relative pint sions of Talise in of Artile 148 of the unstruction of india the Governor is present our or the unit of the following should be a not be followed information. The South of the Control of the C

#### December 31 2007

No 815/XXVII 8 /vani kar 2007 if the under section of his extension of Name Artifact Artifact and the artifact and extension of Name Artifact and the law by way of repeal or amendment is necessary or experient.

And And InterPredes Train and that the mailtenance Service Rues 1991's nione in this end hashand in the service and are serviced as a service and are serviced as a servic

No. 3 Has in exercise of helpowers sulferred type 10 to of help aramina. Allera ion of No. 4.

Actino 52 12 to the lover is a seed to that help to Project Trade Tax fitbure.

Thanking a Mealbers includes 1941 stall aveiable rapity of the State of Marakhand six ecition provisions of the following order —

THE UTTARAKHAND THE LITTAR PRADESH TRADE TAX TRIBUNA. EPARTMENTAL MEMBERS SERVICE RULES 1991 ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER 2007

#### 1 Short title and Commencement-

- 1) This order new beingweithe ultarakhand The Ultar Pradesh Trade Tax Trux na. (Departmental Montus is Service Rules, 1991) Adaptation and Modification Order. 2007.
  - (2) It shall come into force at once

## 2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"--

expression "Utlaranchal" occurs, it shall be read as, "Utlarakhand"

#### 31 दिसम्बर, 2007 🐒

राज्यत 818 (१) १६६६।(८ / वाविविकरं) 2007 वृक्ते उत्तर उल रम परिवा । प्रादिशियम 2008 जो देशा राज्या के वर्ष 2008) की एन एक अर्थन चाराखण अला चार क्लब्द राज्य के रकार वे लग् विदिक्त जा है। उन्हों किसी अध्या सम्बद्धित के क्षम में ऐसे अन्कना । उन्होंचल कर रक्त है जो अस्वस्था रस्ती । तो

ार वृक्ति ततर प्रदेश किती कर सेवा शिवनाची १०६१ ततः वर्शि पूर्व प्रविधित। 200 को राज 86/87 के अधीन उत्तराखण्ड राज्य में लागू हैं,

के अब कारी क्या व पारंग कि असिविक 2008 विशिष्टिक संबद्धा ६२ वर्ष 2008 की का का अवता स्व विश्वो का असीम करके राज्यकान कार प्रोक्त विको कर तेन विश्वमवर्ती 1983 के अध्यक्षीत सामू रखा की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं —

च चाराव्यण्ड (उत्तर प्रदेश विकी कर से हा नियमधाली १९७३) अन्ह रन एवं उपहलारण ४ दश २००७ १-राक्षण्य शीर्थ**क एवं प्रारम्ध**न

- (1) इस आदेश का सक्षिपा 🥌 उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश विक्री कर सेवा नियमावली, 1983) अनुकृतन एव उपान्तरण आदेश, 2007 है।
  - (३) यह तुरन्त प्रवृक्ष हो ११।

# 2 - "उत्तर। वल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना-

हार बहेश कि हो के रहा — युगावली १९८२ ने जह १० हम्म ३ व ४ आप है व व वह एम्स "उसराक्षण्ड" पदा प्रार्थेगा।

rsuality in Straight and Straight area of of our of rid a hold of its answer of our of our one 818/XXVII 8) years kar 2007, dated December 31, 2007 for general information

#### December 31 2007

No 816.XXVIII8 vani kar 2007 in the action of Name 4. The Art No 52 of 20 in the average 4. The have site as a politic of Name 4 in the awby way of repeal or amendment, as necessary or expedient,

under section 86/87 of the Ultra Pracesh Reorganisation Act 2000.

A 2 Hot for 62 to the meditions of the feet of the Part of the Par

# THE UTTARAKHAND THE JTTAR PRADESHISALES TAX SER LE FILLES 1 ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER 2007

#### 1. Short title and Commencement-

This order may be caused the intereshed in a programate Sales of Selvine Rivers in Automorphisms order, 2007.

(2) I shall come into force at once

#### 2 "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"--

tead as "Ultarakhand"

#### 31 दिसम्बर 2007 ईव

राष्ट्री 817 (1,/ ६६ के.स.) विशेषकर/2007 वृद्धि राज्य सर्वाचिति स्वार्थित है जा वृद्धि राज्य स्थापित स्थापित है के.स. १९ के.स. १

्र कृष्टि कार प्रदेश रक्षाधार का अर्थकारों का कुन का का अर्थकारी का का अर्थ ही । विकास क्षिती हो 2000 की कार अर्थ का किस्स का का अर्थ का है

ਬਰ ਸਵਾਦ ਜਦ (ਜੀ) ਹੈ। ਜਿ ਸ਼ਹਿਰ 2006 ਕਵਿੰਦੇਸ਼ਸ ਨੂੰ 52 ਵਧ 2006) ਜੀ । 6 , ਜ ਫ਼ਰੀਆਰ ਕਪੀਰ ਦੇਵਲੇ ਕਰ ਤੋਂ ਨਾਵਨ ਦੇਵ ਅੰਗੜਾਵੇਂ ਪਹਿੰਦੇਸ਼ ਤੋਂ ਜੀ 1983 ਜੀ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆ ਹਨ। ਮੀ ਵਿਚਿਆਂ, ਸ਼ਹਿਬਰ ਜਿ ਕਰੋਟ ਤੋਂ ਜ਼ਵਦ ਨੂੰ ਨੇਸ਼ ਕਰੋੜੀ ਪ੍ਰਤੇ ਜ਼ਵਦ ਹੈ।

राज्याखण्ड राजा प्रदेश व्याधन वर बांधनारी (प्रणी ) सेपा नियमावली 1983 अनुकृतन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

#### राक्षिप्त शीर्थक एव प्रारम्थ~

- (1) पुर आदेश में सार्थित राज तत्त्वरूपण उत्तर प्रदेश प्रवास के प्रतिकारी (श्रीणी प्रस्तव नगान सी 1983] अनुकृतन एवं स्थान्तरण आदेश 2007 है।
  - (२) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

### 2-"जनराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पदा जाना -

्र प्रदेश व्यापार कर अधिकारी (श्रेर्य ) सेव विश्वमावली 1983 में वह वह, शब्द उत्तर वल अस्य है वहां वहां वह शब्द 'उसराखण्ड' पटा जायेगा।

pleased in order the publication of the formation of the formation. Stress after the formation of the format

#### December 31 2007

No 817'XXVII 8/Ivan kar 2007 A second of the first that Alteration of Name Ar afford No. 52 of 2006 the little analog Covernment in a second adaptation and modified in a of the law by way of repeal or amendment, as necessary or expedient;

A. Wire place to Trade Tax Officers ade. Service Ries. 981 is inforce in the State of viername and under section 8.87 of the uttar Pradest Removal and Act 2 in the

Now This is a revenue of the powers conferred by section 6 of the Uttarancha, Alleration of Name

A. 2 it Active 52 of 20th the Bovernor's Cleasest 1 discrimation by Pracesh Trade Tax 1 finers. Grade

Security Rich 1983 ship to each submy 1 the Rate of Disarakha discription of the following order --

# THE JTTARAKHAND THE LITTAR PRADESHITRADE TAX DEFICERS (GRALE III SERVICE RULES 1983 ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER 2007

#### 1 Short title and Commencement-

- 1 This order may be dalled the Uitalayhand. The Har Pracesh Trade Fax Officers. Grace. Service Rules, 1983. Adaptation and Modification Order. 2007.
  - (2) It shall come into force at once

#### 2 "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

1. Pratest 1 1-1 if cers Grate Serice Rips 11-3 who accurrence series that because it shall be read as "Ulterakhand"

#### 31 दिसम्बर, 2007 ई०

सारमें 816 (१ / ६६) ११(८ / ११(१) कर / 2007 कृषि जान्यक्त एक तरिवार प्रविधिक 606 (५ १ १) क् रारम ६७ वर्ष 2006) की कारत हा अधी उत्तर खण्ड शासा उत्तर खण्ड राज्या । स्ववकार माला कृष्या १ ॥ जार विरुगा अध्यय सर्थ का रूप में ऐसी अनुकूल का तालागण कर स्वया के जो धावश्रक अस्ती हो।

्षि होते प्रस्ति वर्ष कियों कर विकार निर्मा वर्ण हों स्था विमान के १४४ जा प्रदेश हुए कोर्गियम 100 जो पर 88787 को प्राप्ति र परस्कार द्वारों स्थान मार्ग

जर अबं का रोजन का विवादन) अधिविधम 2006 (ब्रोधिविधम सरेका ६, वर्ष 2008 की घारा । हरा ग्राहा ए 112वें र जर रागरको रागा चार प्रतिकार विकास विधास विधिक वर्गीय सोटा विधास की 1973 की उर्जय वार स मी अपीक रोज धारिका ने का अध्यक्षित गा, रखाने की साल्प सर्वविधि का का राग

्राराखण्ड (उ.१२ प्रदेश विद्यो कर विभाग भिष्येक वर्गीय राज भिग्न जली १५७४) अनुकृतन एवं उपान्तरण आदेश, २००७

#### सहित्त शीर्षक एव प्रारम्भ -

- ा दश भ (१ क र एं १८ १ पर स्व २००१ किही कर १६ र १ एक वृत्ति, १३ (यह १) १९७३) अनुकृतम् एक स्थान्तरण आदेश, २००१ है।
  - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

#### 2-"उत्तराचल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पटा जाना-

पार प्रदेश विक्र कर पर अवदेक द्रग<sup>8</sup>ए सेव <sup>१६</sup> सदारी १५७५ है वर प्रदासक्त ३० ५ ज । वहान्यहाँ वह **शब्द 'उ**त्तराखण्ड'' पढ़ा जायेगा।

#### December 31 2007

A Figure Nome

A Figu

# THE UTTARAKHAND THE STIAR PRADESHISA ESITAS DEPARTMENT LET TAL BER-1973) ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER 2007

# 1 Short title and Commencement-

1. This protectively be the entire of March and Tile of the Predesh Navis Tax in partner Christish unit. Riller 1973. Adaptation and Michigania Christish unit.

(2) It shall come into force at once

# 2 "Utterakhand" to be read instead of "Utteranchal"...

Otto Prodest Sum Tay Departmen Clerkia Skillur Koles, 97 Ishirin I helektres in the extres in the popular of th

#### 31 दिसम्बर 2007 ई०

र्यका BIB (1, ६६६)। स् अधिकार १०६० पु ६ ज्यादिकार १ क्षिक्षिया ज्यास स्टब्स् राज्यकार स्टब्स्ट्रिक्ट विकास अधिकार १ व्यक्ति विकास स्टब्स्ट्रिक्ट विकास स्टब्स्ट्रिक स्टब्स स्टब्स्ट्रिक स्टब्स्ट्रिक स्टब्स्ट्रिक स्टब्स्ट्रिक स्टब्स्ट्रिक स्टब्स स्टब्

्र कि रहर न प्रस्तान कर प्रदान कर एक स्थापन कर कराइट है। उसी 1996 विस्तान प्राप्ति कर प्रसिद्धिक 2000 की हत्त्व कर कराइट कराइट कराइट

त्रीक्ष संबद्ध कर्षात्र क्राप्त क्राप्तिक क्रिक्षेत्रक क्राप्तिक क्राप्तिक क्षाप्तिक क्

स स्थारकण (उत्तर ५ ९ ० ६ १८ १८ १८ १८ १८ १८ अस्ति अस्ति प्रस्तरण सेवा विद्यमान की १९०८) अनुक्**लन एवं उपान्तरण आदेश, २००७** 

# । सक्षिप्त शीर्थक एवं प्रारम्भ-

र इस आदेश का रहित्य । र रसस्य १ (७ १८ ४/१) र १२ ४८ ८८ । १० १ (७४) र । अस्तर १ १४ ४८ विकास । नियमावली, 1998) अनुकूलन एवं उपान्तरम् आदेश, 2007 है।

(2) यह तुस्त्व प्रवत जेगा।

# 2 - "उत्तराचल" के स्थान वर "उतराखण्ड" पढा जाना-

११ जरेश व्यापार कर विभाग इसैक् भितः । उर स्करण सेव भितः जी 1998 य न । सां (क. धत्तराचल' आया है, वहां वह शस्द ''एतराखण्ड'' पढ़ा जायेगा।

The standard to provide a second and a 345 of the list the of education of education of education of the second and the second standard education of the second education of t

# December 31 2007

Simplified to State of the modern section Research to the Mar Practice Recreams align Act 2 if

At 1 (or . Act No. 52 of ) 10% the Governor sidesed oid ac that the Uta Prades i Trade Tax Department Ent. In Dita Process. I Service Rijks 1408 shall revelop a cability to the State of Uttarakhand side. In the provisions of the following order to

THE UTTARAKHAND THE JITTAR PRADESH TRADE TAX DEPARTMENT ELECTRONIC DATA PROCESSING SERVICE RIJLES 1998 ADAPTATION AND MODIFICATION ORDER 2007

#### 1 Short title and Commencement-

- 1. This order may be called the Uttarakhand. The Uttar Pracesh Trade Tax Department Electron. Ustal Processing Service Rules. 1998. Adaptation and Modifical on Order. 2007.
  - (2) It shall come into force at once

#### 2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

in the Ultra-Pradesh Trade Tax Department File trook Chala Processing Service Rules 1948, will revort the expression "Ultranchal" occurs, it shall be read as "Ultranchal"

#### 21 दिसम्बर, 2007 ईव

र स्थत 820 (5) / ६६६ मा(8) / वाणिक्टर / 2007 मुक्ति व रश्वतः तान विश्व के अधित व २००६ (भ्रातिस्व संस्था ५ तम् २००८) की धार ६ के अधीत वक्तास्थण १ सर उत्तरख्या राज्य के स्ववत्त व जा, तेते तो प्रतेष र विरस्ता अध्यय संशोधन के रूप में देशे अनुकला एवं तो उत्त कर स्ववत्त है व अवश्यक जानीती जो

्था चुकि जार प्रथा अधीनस्थ (विको कर नेस्ट्रा प्रीक्षण स्व नियमावली 1992 - १२ ४ १ हुम्मी में प्रोपेशन 2000 की घर्स 88787 के घर्मी जन्म व्यक्त राथ में स्थान जामू है

अर्थ अने व्हल चल नाम तरिवर्तन, प्रविधित्यम् २००६ (अधिधियम संख्या ५२ वर्ष २००६) की घारम ( द्वार्य प्रदेश १ केम्यो कर प्रयोग करक राज्य तरह नाम उत्हेश अधिवस्थ (विद्वाह कर लेखा तरिहा) के विकास समित कार्य के उन्हेश कर स्थाप राज्य के नेमालिखित प्राविध हो के अध्यक्षी एता हु स्थाप को साथ स्वीतानि कार अल्ली है

उ रिक्षण्ड च १२ प्रवेश प्रधीनस्थ (विकी कर नेखा १रोझ) सेवा नियमावली १२०२। अनुकृतन एवं उपान्तरण आदेश, 2007

#### १ सहिएत शीर्षक एव प्रारम्भ-

(१, इस आदेश के सहिन्द जनसङ्ख्या उत्तर प्रदेश अधिकाय किंद्र कर नेया परीक्षा राज ने नावनी। 1982] अनुकृतन एवं समान्तरण आदेश, 2007 है।

(2) यह शुरन्त प्रवृत्त होगः।

## 2~"उत्तरावल" के स्थान पर "उत्तराखण्ड" पढ़ा जाना-

उत्तर प्रदेश अधीर स्था पंक कर लखा परीक्षा, सेवा विकादली 1992 में जा जारा शब्द जार कर आगा है वहां वहां वहां वह शब्द "उत्तराखण्डा" पंडा जार्यमा।

proased turner than the form as before translational roll short no 820/XXVII,8 vanikar 2007, dated December 31, 2607 for general information.

#### December 31 2007

No 820/XX 1 (R ivani kar 2007-- A in intersection the 1 A A in a A leration of Name Action at No. 520 x. In its archard 3 is then it a, up the travelscoped to attend on the 1aw by way of repeat or amendment, as necessary or expedient.

A West of an Pradesh Submitted Sales Tax Aug 16 And 15 ery de Ries 1 1, is in from a State 1 lia and a district agot in the legislating Pradesh Fire to a min Act time.

At 2 in the Coleman sine substant of the Street and Substantion of the following order -

# THE UTTARAKHAND UTTAR PRADESHIS BOR INA FI SALES TAX ALD TOWN IN SISTEMATION OF SISTEMATICAL OF SI

#### 1 Short title and Commencement-

1 This order may be called the inflation of the large ships of the Niles and Niles. Service Rules (1992) Adaptation and Modification Order 2007

2, It shall come into force at once

#### 2. "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

expression "Ultaranchal" occurs it shall be read as, "Uttarakhand"

#### 31 दिसम्बर, 2007 ईठ

परिस्त 821 (1) / १६६ । (स) / वर्ति हार / 2007 वृधे परावल कर देश कर किए हा का प्रति । प्रति ।

ात वृति च पर प्रदेश विको कर सत्क्रक सेत्र विकास १९४१ पर तरेश (१ % ५० %) की पारी 66/87 के अधीन प्रशासक्षण्ड संध्य में बधावत् लागू है

भ अंग उट्टेबल (गम तेथेवर्ता) अधि व 2006 जीवीमाम स्टाम ५२ वर्ष 2006) को संस्कृतर प्र शांतिको । जस । हे राज्य हे उत्तर प्र(१) विकी कर साध्वकी संद्र ेतावजी 1991 ।। उत्तरका व विवासिक्षित प्रवेष्य से जस्तर के नामून को राज्य से स्वाहत व तारे

> रवातका प्रतिकृति कर सारकारी सेवा (ने (कर्ना) १९५१) अनुकृतन एवं उपान्तरण आदेश, २००७

#### ९ - सक्तिप्त शीर्थक एव प्रारम्म-

(१) पर आदेश का राजिप एम न स्टाल्पण एतर बर्डण मेंको कर सार्थ्य पर १ (वावानी १९०१) ब्रह्मु १३ एवं समान्तरेण आवेश, 2007 है।

(2) यह त्रक्त प्रयुक्त होगा।

## 2-"उत्तराचल" के स्थान पर 'उतराक्षण्ड" पढा जाना-

रंगर प्रदेश विक्री कर सास्यकी सेवा विकास १९९१ में जहां जहां इब्द अर वन प्राया है वर्ष वर्ष वह शब्द ''वत्तराखण्ड' पटा जायेगा।

आजा से

आलोक कुमार जैन, प्रमुख सचिव

Tiple 3 arcent leading sions of the following English hars about the following some first and no 821/XXVIII,8) van kan 2007, dated December 31, 2007 for general information

#### December 31 1/07

At Wiscon The ital Pradesh Sales Tax Stalls had Service Rtules 1991 is inforce in the Sidle of Large harmonider section in 81 of the little Pladesh Reorgan sation Act 2 ftm.

Now Therefore the exercise of the powers numbered by section not the unit anchal Alleratures Name and 2006. Act No. 52 of 2006), the Governor is pleased to direct that The unitar Process Salex Tax State for Service Rules. 1991 shall have applicability to the State of up are hand is in entitle the provisions of the incoming order --

# The Uttarakhand The Uttar Pradesh Sales Tax Statistical Service Rules (1991) Adaptation and Modification Order, 2007

#### 1 Short title and Commencement-

This order mily be called the Uniteract and The Ular Praces Science x Staister and Fig. 1991) Adaptation and Modification Order, 2007.

(2) It shall come into force at once

## 2 "Uttarakhand" to be read instead of "Uttaranchal"-

occurs, il sha be read as "Uttarakhano"

By Order

ALOK KUMAR JA N.

Principal Secretary



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

# उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुखकी शनिवार दिनाक 19 जनवरी 2008 ई0 (तैय 29 1929 शक राजन)

#### माग 1-क

ोरक काम विधिया आजा विद्वितिया जारी है। जाउर इ.ज. कोटम अस्त है। के अध्यक्ष सभा राजस्य परिभद् ने जारी किया

कार्यालयः मुख्य अभियतः एव निदेशकः प्रदेशीय अभियः । प्रशिक्षण संस्थानः कातानद्व

# विज्ञप्ति

## 28 दिसम्बर, 2007 ई0

| sh-141. | ( ) J. ) | 3/1° 2/1< 3/         | aleas y  | , of 11 1v                 | 23                    |
|---------|----------|----------------------|----------|----------------------------|-----------------------|
|         | 41.0     | माम                  |          |                            |                       |
|         |          | सर्वश्री             |          |                            |                       |
| t.      | 50       | जगतराम               | 15 05.53 | की नाध्यम                  | सम्पानत               |
| 2       | 51       | प्रकाश चन्द्र मलकानी | 11 07 57 | स्व0 श्री चिन्तामणी मलकानी | नैभीताल               |
| 3.      | 52       | चन्द्रमान            | 30 07 56 | की जब साल                  | बरेली                 |
| 4.      | 53       | शिव दयाल भाष्कर      | 05 06.51 | स्व० श्री एम०एल० भाष्कर    | साहजहापुर             |
| Б.      | 54       | सत्यपास              | 10.03.55 | स्थः श्री रतन वात          | टिहरी गढवाल           |
| €.      | 55       | जनेश्वर प्रसाद       | 02.09 53 | स्व0 श्री इसम सिंह         | सहारनपुर              |
| 7       | 56       | क्षीर = स्थित रावर   | 10 08 50 | स्त्र की तथमल विक          | থানি <sub>এন</sub> লা |
| 8.      | 57       | मोहन वन्द्र पाण्डेय  | 24 06 80 | स्व0 मी भोला दत्त पाण्डेय  | <b>धम्पा</b> दत       |
| 9       | 58       | रणधीर सिंह चौहान     | 01 01 54 | यनक भी मेहर सिंह           | हरिद्वार              |
| 10.     | 32       | रामदास               | 10.07.51 | का हरसुख                   | सहारनपुर              |
| 11      | 30       | मूल चन्द्र अहिरवार   | 06 09.49 | स्व0 श्री घनई              | जालीन                 |

डाल चन्द्र गौराम अपर निदेशक .

शिवरतर्त (अ ४०ई० ३ कि.मी संस् /०७ भाग ५ क 2008 कि.मूटा/मेशियो

· ५ र म प्रकारणाः राज्य विदेशक राजकीय म<sub>न्</sub>रालवे उत्तराखण्य संकी



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

# उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुडकी शांचिर दिनाक 19 जनवरी 2008 0 (धीष 29 1929 शक राजा

भाग 8

सूचना एवं अन्य वैश्ववितक विज्ञापन आदि कार्यालयः नगर प्रचायतः दिनेशपूर (अध्यासिह नगर)

कार्यालय विज्ञप्ति

15 दिसम्बर, 2007 ईं0

प्रश्ति 3073, र अंट / 2007 र सक सहया 2493 2307 2003 के प्रत्या कि स्था र (अवलिक क्षित ) अर्थ (अवलिक ) अर्थ (अर्थ ) अर्थ

# उपविधिया

- ६ हा तपनियम नगर प्रवास देनकापुर जिल किथम नगर के विसंस न व्यवसायों क विनिधमन के उपनियम कहलायों ।
  - 2 अध्यक्ष का तात्पर्य नगर पंचायत, दिनेशपुर के विभागस्थक्ष से है।
  - व अधेश सी अधिकारी का लायर उनर पचरत के कार्यपालक अधिकारी से है जो दण्लाधिकारी भी होने ,
  - 4 -अधिशासी अधिकारी लाईसँसिंग अधिकारी होंगे।
  - ५ वर्णित लाईसँर संशक्ति। दर रूपर प्रवायतः दिवेशपूर की सीमान्वर्यत ही लागू रीगी।

# 1 होटल / रेस्टारेन्ट / भाजनालय / पंग पदार्थ / खाद्य पदार्थ आदि

#### उपनियम

- त त्रायेक चाईसै स् १ अप्रैल से ३१ मार्च एक मान्य होगा। हो वि ऐस वर्ष सम्मिति तर स्वत र मान्य समुद्र जासैया।
  - 2 कोई भी व्यक्ति बिना लाईसैन्स प्राप्त किये उक्त व्यवसाय नहीं बला सकेगा।
- ६ क्वत व्यवस्य कोई व्यक्ति अन्तानिजी स्वन् श्रयदा किरायं की दुकार संकर सहस्य जिस्सारे हुमन् उत्तनी की स्वामित्व अध्यक्त किरायेदारी का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होया।
- व उक्त व्यासाय से सम्बंधित यक्त य लाईसीस के अधिरेका खाद पदार्थ विक्रय से सम्बंधित नाइसैन्स् स्थास्थ्य विभाग से भी प्राप्त करना होगा।
  - क क्वर व्यवसाय से सन्दरित दुवत अध्या भारत क्वला हुई है । ताराह एवं ब्रह्मण सेटेन तीना का हैये हैं
- 6 एक न्यास कर्ण जाती वाज न्याकेर क्रिकेट किरोग छात्र विकासित गैठकीठ आदि से क्र्या, होता तीही जिसा हेत् लाईसी-स आप्त करने से पूर्व स्वस्थाता प्रभाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
- र हो। १०० कि स्वतंत्र रहा प्रयुक्त है। इस १००० कि हो के कार्या हो कि हो। सार्वजिनिक नाली में जाती हो।
- क रहा। वनस्य संस्थनकि वृक्ति दृष्ट्य में स्वास न रिष्यक एक प्रवृत्ति । ही हिंदी राजा सो तन् एवं खाद्य पदार्थ, पैथ पदार्थ का ही विक्रय कर सकेगा।
- ा गरिणी करार अपूर्ण हैंगी भी के अध्यक्त रहे के विश्व के विश्व के विश्व है अस्तिक र अस्तिक र अणित सी बीर कारी र क्वारण्यों कियों के अर्थ के में के को लिए के रहेंचे रहे कहें हैं। से घटी के अपवादी क्यार्य एवं ये उद्धार्थी क निष्टें कर सिकेगा।
- ार पैर कमें होंथी। ये जाते न विकास कि तर होते पर उद्योग कहर का नाईसी र का विविधित कि स्थापित कर कि विविधित कि कि विविधित के कि विधित के कि विविधित के कि विविधित के कि विधित कि विधित कि विधित के कि विधित क
- ा। विस्तित विषे अधीन से र कर्न के बन या के र ती र का वित्र है, अविदेश 15 अप्रैल के प्रति कर नाइती साप्र कर कईती सा प्रति कर नाइती साप्र कर रका है न पे र प्रतिहिंद कर अधीयण, हा रूप में प्रति कर नाईती सा
- ा2 रक्त क्षावसाय न र र १६ दस ये ५६ व्यवस्ताता, वन र से पूर्व राज्यप्य । दि शप्र कि र, स्व करेगा। अन्यथा साईसीन्स शुक्क देश होगा।
  - १३ कोई भी लाईरेश पायक गरक हैं। में नवृत्व अगीर पर उक्ता व्यवसाय अंक्रमा कर ्रे कर रक्त

#### ्दण्ड प्राविधान

| <b>₽</b> 0₹0 | ध्यवसाय का नाम                          | लाईसैन्स शुल्क / दर ६० (वार्षिक) |
|--------------|---|----------------------------------|
| 1            | होटल लॉजिंग तथा गेस्ट हाउस 10 शैव्या तक | 500 00                           |
| 2            | तीन विस्तारा होटल                       | 4000 00                          |
| 3.           | पाच सित्पर। होटल                        | 5000 00                          |
| 4            | खाने का होटल                            | 100.00                           |

| भाग ध | वस्तानान समात् १८ वासवस ४००८ है। | 19 Gradet \$5008 \$0 (And \$3, 1929 state 4440), |  |
|-------|----------------------------------|--|--|
| 0F040 | व्यवसाय का नाम                   | लाइसीन्स श्राक्त / १२ २० (व <sup>१</sup> रेक     |  |
| 5     | चाट, पकौड़ी, कुल्फी शादि की उंली | 100.00   |  |
| 6.    | पेय पदार्थ एजेंसी                | 350 00   |  |
| 7     | मन्ना २स विक्रंसा                | 60.90  |  |
| 8.    | फनों का जूस विकेता               | 50 00  |  |
| Ø.    | फल विकेता                        | 100 00   |  |
| 10.   | चाय विकेता                       | 50 00  |  |
| 11    | धेरी लगाकर दूध विकेशा            | 50 00  |  |
| C/    | पुरत की देशका त्या मानिक ।       | 1  |  |

# 2 निसंग होग/प्राईवेट अस्पताल पैथोलोजी आदि

#### उपनियस

- त भर्योत् नार्द्धीं सात्र प्रश्नेव र १९ मन्ति । एक १६ भारतीय प्रति । प्रति प्रति । प्
  - ह राई मा जाके थें जाईरी सज़ल किये का कार ली ज स्लॉन ।
- र पार नावस त्यार्थ देशित प्रष्ट रिती भावत प्रश्ता केर्या है एक ताकर राज्य तीनसात रूपणी की प्रवामित्य अथवा किसरोदारी का प्रमाण∽पत्र भारतुत करना होगा।
- क वर्षा व्यवसाय र । अतः व्यवसाय कर्षा रक्षण माराचा प्रकार सक्षण स्थाप । प्रमाण-प्रजानिक अस्ति अस्ति करने पर ही व्यवसाय क्रम सक्षणा।
  - 5 रकते व्यवसारम् से सम्बन्धेत दृष्ट अक्षत् भवत प्रकृत रुक्षित्र रुक्ष्य रूप व प्रदूषण रहित रहेत्। वाहरेत्र र
- त्यान्त्र पास्त पुर्वान व्यवक राष्ट्र भव्यक एवं दृषि । तल की विकासी की दृशंत व्यवस्था होती जातिय ।
   शावंजियक शाली मैं जाती हो
- र रोगर मध्य ए अन्त 💎 रदास्थ्य अधिक रे ए राजाहक विनोहरू, में आध्य सा अधिक रे/अध्यक्ष / सामा अधिकारी/कर्मचारी को निरीक्षण करने का अधिकार क्षेत्रा।
- 8 पंकर व्यवसाय के लाईसैन्स को 1 जिलिबत / विस्तं करने का अधिकार आधेशासी आधेकारी को स्रहित ो। ताईसैन्स धारक यदि चाहे तो निलाबत या निरस्त के खादेश की तिथि से 15 दिन के अपर अन्दर अधिशासी अधिकारी की आवंदन कर लाईसै संबहाल कर। की अपील कर सक्या।
- क्ष विलीय वर्ष १ अग्रैल से 31 मर्च १क बनान वाले लाईसैन्स के १४ शकरण हो 3 बेदक 15 अग्रैल तक अपदा कर लाईसै साग्नात कर सकते हैं। तदी राज अस्टिंदेन 500 रु० अर्थ दण्ड के रूप में मुगतान कर लाईसैन्स प्राप्त कर सकेगा।
- 10 तक्त व्यवसम्य से सम्बक्ति व्यवस्थान अपना व्यवसम्य । करने संपूर्व उनर प्रवासन दिनेशपुर का सुनित । करेगा। अन्यक्षा लाइंसैन्स शुल्कं देय होगा।
  - 15 कोई भी लाइसैन्स था क सरकारी भृषि नजूल पर उक्त व्यवसाय अतिक्रमण कर नहीं कर सकेगा।

#### दण्ड प्राविधान

कृषी। ध्यां विशेष्ट र (कः 1916 की घाना 299)। क अनागंत , देसे गये अधिक रो का प्रयोग करके नगर वागत, दिनेश्चार आदेश देती है कि सांदे कोई व्यक्ति उपरांक्त विधियों एवं उपनिवर्ण का उल्लाधा करता है तो अभ पर देश जागेगा जो 1000,00 (एक हजार रुपये सात्र) तक हो सकता है और यदि रल्लाधन निरंत्तर जारी रहेगा तो एस उत्सक दिन के जिंग जिसके बारे न यह सिक्ष हो जागे कि अपराधी अधन्तर कर रहा है 25.00 (पच्चीस रुपये पात्र) प्रतिदिन तक अर्थदण्ड अतिरिक्त हो सकता है।

| #o₹10 | व्यवसाय क। न,म                                    | लाईसै स शुल्क / देर रु० (वाधिक) |
|-------|---|---------------------------------|
| 1.    | निसंग होम (20 कैंड तक)                            | 1000.00                         |
| 2     | नर्सिंग होम (20 बैंड से संपर) 50 रूपका प्रति बैंड | 2500 QG                         |
| 3     | प्रसृति गृह (20 केंड)                             | 2000.00                         |
| 4     | प्रसृति गृह (20 वैंड से उपर)                      | 2500 00                         |
| 6     | प्राइवेट अस्पराल                                  | 2000 00                         |
| 8     | पैथोलोजी संष्टर                                   | 100 00                          |
| 7     | एक्स रे क्लीनिक                                   | 500 00                          |
| 0     | क्षेन्टल क्लीमिक                                  | 100.00                          |
| 0     | भाईतेर व सी एक                                    | 160.00                          |

#### 3 पश्चित्रन

#### जन्मियम

- । प्रतिक नहीं से १ अप्रैल हो ११ गा विकास सहीत है । इतीय वर्ष समर्थित स
  - ्रकार्ट्र में जावित किए बदरी स प्राप्त कियं चार व्यवसाय ही यब सकता
- क्रा कर साम ह्यूकोई अप वजी क्षा प्रश्नाव कर ये की इस से सेराइन हरों जब इस्पोर्ट हर्मानम्बद्धाः स्कृतः विस्तृक्ष्य र मी क्षा स्थापिक अध्यव किस्तार्ट, री क्षाप्य अपरहुत् स्ट्राह्य
- 4 तका करता से सामाधिर प्रस्त में अपने कहा कि अपने विक्रेष्ठ प्रस्ता कि तमें के पूर्णि अन्ता स्थान पर रख्न सकता सामाधिक रोफ खान में हो है के प्रस्तान क्षेत्र करेगा और ही की क्षिमण कर नाम रखना करेगा के स्थान करेग ज्ञानसील के आ रिवा के राज प्राप्त राज्य ही विकास में आदिकूत बसाय पत्र, आईसे से प्रस्तुत करने पर भी अवसाय कार संबोगा।
- ५ उक्त व्यवस्थ से सम्बद्ध व्यवस्थी अवस्थ इन्तर्भ कर्मा के बाह से उसे मेम्बर पंचीकरण अनुष्ण प्रमाणल्यात्र प्रस्तुत करने के पश्चात् ही लाईसैन्स ग्रम्स कर सकेगा।
- 6 उक्त ताजसाय के जा मैं रूप के जिल्लिका / जिस्सा करने का प्राधिकार विविध से वाध होती को स्पतित होता जाईसै से छाएक छाड़े हैं में अन्दर अंदर प्रधिसासी अधिकारी को आदेदन कर लाईशेन्स बहाल करने की अमील कर संक्षणा।
- र वितिष्य वर्ष र बाउँ से 31 सन्ह 'का बान बाले नाई है से के वीनीकरण हैं। अर्थ के 15 अर्थल तक अर्थर । कर साईसे से प्राप्त कर राइने हैं तहांचा न बान्हिं 500 रु० पर्थ देण्ड के रूप र मूर्गान कर लाइसेन्स प्राा कर सकेगा।
- ८ स्तुकत स्थानस्य से सम्बद्धार अस्मयी अघा व्यवसाय बन्द करते से पूर्व गार प्रवास दिनेशपुर को सूचित करेगा। अन्यथा लाइसेन्स शुल्क देव होगा।
  - 9 कोई भी लाईगीस घारक सामा भागे कारी भागे । वृत्र आ<sup>माण</sup> पर तक्त व्यवसारा अक्तिकामण कर नहीं कर सक्ता।

#### दण्ड प्रतिधान

मृत्ये । प्रकालिक एउट १ ६ की घर २००१ के अल्लेब दिये नमें अधिकारों का प्रमोग कर के उपर फनात्या दि। (अर्थक , गे है कि पां कर्ष गरे । पर्वक देशिय एउट के उद्दर्श का रहनां में को अर्थ दृष्ठ दिये का उन में उत्पाद करता है तो अर्थ दृष्ठ दिये का उन में उत्पाद के उन अर्थ है अर्थ परिचालिक प्रकार के उर अर्थ है से अर्थ के दिव के लिये कि का में कि मार्थ है अर्थ परिचाल कर है की सकता है अर्थ परिचाल कर है के स्त्रीम कर्य में के प्राथमित के अर्थ दृष्ट अतिरिक्त हो सकता है

| क्र०सव | व्यवसम्य का नाम                                 | त्यद्से स शुन्क ३० ५० दाविक) |
|--------|---|------------------------------|
| 1,     | ऑटो रिक्शा 2 सीटर                               | 100 00                       |
| 2.     | अॉटो रिक्शा ७ सीटर (टैम्पो)                     | 100 00                       |
| 3.     | ऑटो रिक्स 4 सीटर                                | 150 00                       |
| 4.     | भिनी क्ल  | 208 00                       |
| Б.     | अस्त  | 260 08                       |
| 15     | ट्रॉली (व्यवशायिक)                              | 50 00                        |
| /      | श्रावर हो । हा वार (१४१५ के अवोक होत् रहते कहा) | EL PD                        |

#### 🗚 भीट व्यवसाय 🦠

#### उपनियम

- ा प्रयोग बाईसीका प्रश्रील से सानगर ध्वाम घर । जो देखी नर्पहलीय रंग्यन राजधासाओं जासीमा
  - 2 कोई भी व्यक्ति मिना लाईसैन्स प्राप्त किये उक्त व्यक्ताय नहीं मला सक्या।
- ४ रक्त व्यवसाय से साचीर जीवरावी अर्था व्यवसाय घणकार कर वृत्र सरकारी गांधी वर छ। उस सकोगा
  - ५ चत्रतः अवस्थयः सं सन्त्राणीः १४ अयक्षा भवन प्रत्यका प्रशीदार ततः । एव वपूषण चीतः हो ए घाते हो ।
- ह एका व्यवसाय क अना व्यक्ति विराग भाग कि रियो १ जो : आदि र भुका) होता व ऐसे जिसा हैत् लाईसीन्स प्राप्त करने से ्री स्वरण्यता प्रमाण-पन प्रस्तुत करना होगा।
- 7 द्कारणा पुरवंक सकर दका एवं द्वारा जल की निकासी के पृथ्या व्यवस्था होनी वाहिये जो सार्वजिक गाली में जाती हो।
- स उक उद्यवसाय स सम्बंधित व्योक्त दुकार में अली अथवा शीश के पारदशी दरवाजी खिकाकेषों का असीन उन्हें अने मास सफ़ली का ही विक्रय कर सक्षा जो कि पश् विकित्सा प्रधिकारी के पश् स्वरथला प्रस्मा पत्र (मीटर अन्दें) पर ही वहां कर सक्ष्मा साथ ही चिश्चित स्थान स्लोटर हाउस) में ही वहां कर सक्ष्मा उथा प्रहेदिन नह कर शुक्क अतिरिक्त क्ष्म में देश होगा।
  - 9 नगर प्रकाश (देनशाहर हाल निधारिंग स्थल पर ही मास/मान्ती वेक्रय कर संक्रम ।
- 10 ाद ि अञ्चल अनुष्यांकी ब सी मास के निरीक्षण का अधिकार अध्यक्ष अधिकासी अधिकारी एवं स्वास्थ्य निरीक्षक अथवा न में व्यक्ति को सर्दव स्वतन्त्र होगा साध्य वेशे अनु योगी मास / यस्त्री को नष्ट कर है के अधिकार होगा।
- 11 धैरा 10 में दांगी क्षत्र अने पर निशेक्षण की संस्तृति पर उचत व्यवसाय के लाईसैन्स की जिलिंगत / निरंशत करने का अधिकार प्रविद्यासी अधिकारी के स्वर्थित होगा लाईसैन्स घारक यदि चाहे तो निर्लागत य निरंशत के आदेश की निर्णं से 15 दिन के अन्दर अदर अधिकारी अधिकारी को अधिदन कर लाईसैन्स बहाल करने की अपील कर सकेंगा।
- 52 विकीय वर्ष अमैल से 35 मार्च तक बाने वाले लाईसैन्स के नवीनीकरण हेतु प्रावेदक 15 अप्रैल तक आहेत्। कर लाईसैन्स प्राप्ता कर सकत है। तन्तवरान्य प्रशिद्धा 500 रु० अर्थ दण्ड के रूप में भूगणन कर लाईसैन्स प्राप्त कर सबेगा।

13 उक्त व्यवसाय से सम्बन्धित व्यवसायी अपना व्यवसाय बन्द करने से पूर्व नगर प्रवायत दिनेशपुर को सृचित करेगा। अन्यश्रा लाईसैन्स शुल्क देव होगा।

- 14 कोई भी लाइंसैन्स घारक सरकारी भृषि नज्**ल आदि पर उक्तः व्यवसाय अतिक्रमण कर** नहीं कर सकेगा।
- 15 तक्त व्यवसाय से सम्बद्धित व्यवसायी पास सं सबक्षिण त्यून क्रिक्टर गूर्णी के पर आदि सार्वजनिक स्थल/न ली आदि में नहीं फंकंगा पन संदित समान पर मृष्टि आदि में दबाकर निस्तारित करेगा।
- 18 एक्स व्यवसाय से सम्बंधित व्यवसायी उन्हें विवेद का रख रखाव याद मांद्री बस्ती / एर के बाहर बनारोगा जी गढ रहित होना वाहिए।

#### दण्ड प्राविधान

| 9040 | थनसाथ का नाम                    | लाईसैन्स शुल्क/दर २० (वानिक) |
|------|---------------------------------|------------------------------|
| 1    | गैंसा गास भी दुकान              | 300 00                       |
| 2    | वकरा मास की दुकान               | 100 00                       |
| 3    | सुअर मास की दुकान               | 100 00                       |
| 4    | मुगो/मुगी मास की दुकान          | 100 00                       |
| Б.   | मछली विकेता (फड)                | 70 00 4                      |
| 6.   | मछली फुटकर विक्रेता             | 40.00                        |
| 7    | पशुक्य कर (स्लीटर हाउस) असि पशु | 10 00                        |
| 8    | हस्की वनका गोदान                | 200 00                       |

# 5 शराब देशी व बिदेशी (वाईन) बार आदि :

#### उपनियम

- ा रहेक लाईरोस १ ५के रहे रहे रहे के सहय होते । इस दे विद्यावन समाद पर स्वत समापा समझ जारीगा।
  - ्र कई भी व्यक्ति बिन लाईमैं स्वयं किये उद्धार व्यवस्य नहीं उला राव
- ) उसने व्यवसाय हें है कोई व्यक्तिन अ।''ो की घवन कथवा किराम की हुकान में व्यवसाय बल रकेंग 1 जिसा 'त् भारत रवासी का स्तार्थ पथ्यर कि चं दें का पस चाक प्रतान करते होगा
- क कि दोल्य से सम्बंधित व्यवसायों कि एवं या प्राप्त कि प्रिक्त प्राप्त कि से को भूमि द्कार प्राप्त की किएमा मान्य के सामित्र के सामित्र के सामित्र कर सकेंगा।
  - क र अस्य से स्वर्षि <sub>यू</sub>का रथा, व्यक्त क्षश्चार व अवार्यक हो। प्रारेशिक
- 6 र १ र वस स्थार जिल्ला कर स्थार विकास कर स्थार कर स्थार काईसेन्स्र प्रमाण–पन्न प्रस्तुस करने पर ही व्यवसार, लाईसेन्स प्राप्त कर स्कोगा।

- 🗸 दकान/भवन पूर्णात स्वव्यक्त सफदीयुक्त एवं दुषिन जल की निकासी को पूर्णत व्यवस्था हुनी व हेव 📑 सार्वजनिक नाली में जाती हो।
- B उक्त व्यवसाय धार्मिक स्थल हैसे मंदिर महिजद ग्रह्मरा स्कल आदे से कम से कम राग्ने मीन की दूर रिकार सकेर सिका साथ ही समीपवर्ती बरशे दका अधि से अन ती प्रमाण पूर्व प्रस्त कर कार र कर सकता ।
- B जिम्हिमकती की संस्ता पर तका व्यवसाय के लड़ रिस्ट की निल्नामत / नेस्टत कर के क अधिकार आहे.? सी भारितार्थं के सुरक्षि होता लाईके वा का गोर वह में किलोबात में विरस्त के आहेर की हिंद की 15 कि जी देश अपदेश अधिकारी अधिकारी की आवेद का बाइसे से का ले करे। की अधील कर संकरा
- ाठ वित्तीय रहे र प्रमेच से उन मार्च एक बना करने नहीं से के नवी विकरण है। प्रचे के एक प्रदेश एक भारता कर लाईसी र प्राप्तत कर सकते हैं। तदी र अभिदित ५ वट २० अथ उपक्र के रूप मा मुनसार कर लाईसी स प्राप्त कर सकेगा।
- ११ च्या बादर व से सम्बंधि। व्यवसारी अपन व्यवसार कर कर के दी स्वर कार दिसार की सी सी बी करेगा। अन्यथा लाईसैन्स शल्क देव होगा।
  - 12 कोई भी लाईसैन्स धारक सरक री गुनि नजुन अरि । के व्यवस्थ भी कर्म कर

#### दण्ड प्राविधान

कुत्रीहर्म (विकासिकोर के एवट १७५६ की एमरा २००३) के बाहर (१) कुन प्रतिकारी का प्रमीप कर है। एउ नवंगत ि रेशपुर आरेश (रो है कि शा) कई लावित अंगचल का ते व्यावस्था को तल्लाल करती है जो अर्थ क्षण किरो ते सेच, जी 1900 में एक अपर रेपये जा तक मानका है और योदे उल्लंघ किर सर आहे रहेन जी पेट प्रत्यक्त कि । के लग व्या विकास सकता के अप भी अध्यक्त कर रहा है 25.00 (राजीस रूप ) पर स प्रतिदिन तक अर्धदण्ड अतिरिवत हो सकता है।

| 0040 | ध्यवसाय का नाम            | लाईसैन्स शुल्क/दर ४० (वार्षिक) |
|------|---------------------------|--------------------------------|
| 1    | बीयर कर                   | 600.00                         |
| 2    | देशी शाराव (प्रति दुक्तन) | 3000 00                        |
| 1    | किंदगी र प                | 5000,00                        |

# 6-मिल, फैक्ट्री, गोवाम एव तघ् उद्योग आदि

#### उपनियम

- 1 प्रत्येक लाईरीन्स 1 प्रप्रैल रा 31 मार्च तक मान्य होगा जो विनीय वर्ग सन् वि। पर स्वत समाधा रामझा ज येगा।
  - १ तोई भी र क्षेत्र बिन लाइसेन्स अप्त कियं उक्त व्यवसाय नहीं बला सकेंगा
- 3 जुका व्याप्त व होतु कोई व्हाकित अपने निद्धी भटन अध्वता 'केर ये की दुकान में व्यवसाय क्ला सक्ता। जिस है। धन र स्वत्वी क स्वा में व अथवा किरायद री का प्रमाण र 🚾 र करन होगा र
- कतः व्यवसाय से सन्बद्धिः व्यवसायी अपना व्यवनः अपनी निजी अथवा किराये की मृमि / वृकान पर ही करेगा. लाईसेन्स के अतिरिक्त पत्यता प्राप्त सरकारी विका. में अधिकृत प्रमाण पत्र / लाईसैन्स प्रस्तृत करने पर ही व्यवसाय कर सकेगा।
  - 5 तका व्यवसाय से सम्बन्धित दकान कथवा भवन पक्का फशंदार हवादार एवं प्रदेषण रहित होना वाहिए।
- 6 उक्त व्यवस । अन्त्रधित व्यवसायी द्वारा उद्योग विभाग द्वारा प्रदत्त लाईसै स / प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही व्यवसाय लाईसैन्स प्राप्त कर सकेगा।

- ७ द्कान/मवन पृणंत स्वच्छ सफंदीयुक्त एव दृषित जल की निकासी की पूर्णत व्यवस्था होनी चाहियं जो सार्वजनिक नाली में जाती हो।
- 8 लागू उद्योग से सम्बंधि । त्यवसावी अपने कर्मकरी एवं मजदूरी की सरकार द्वारा निधारित मजदूरी दर का भुगतान करेगा सथा सनके समझ जल कादि की व्यवस्था करेगा।
- कोई भी व्यवसार्थी प्रदृष्टण आदि नहीं फैजार्थमा तथा ध्वांने प्रदृष्णानहीं करेगा। एसे व्यवसार्थयों को प्रदृष्टण विभाग से प्रमाण-मन-प्रस्तृत करना होगा।
- 9 िरीक्षणकता की संस्तृति पर सका व्यवस्थाय के लाइंसी से को विनिधित विरस्त करने के आधिकार अधिशासी प्राधिक रो को सुरक्षित होगा। लाइंसी ल प्राप्तक यदि नाहें तो विनिधित का निरस्त के आदेश की तिर्थित से 15 दिन के अन्दर जन्न प्राधिश सी आधिक री की भागोदन कर लाइंसीन्स बहाल करने की अधील कर नाइन ।
- 17 कि थि वर्ष 1 प्रमेल से 35 लच्चे का बाने वाच जाड़री सा का जवीं विकरण हेन्। प्रावेदक 15 अप्रैल 115 भावेदा कर लाईरीन्स प्राप्त कर सावते हैं। तदा ज्यान प्रिवेदा 500 50 अर्थ दुण्ड के ख्या में भूगतान तर लाइसी र प्राप्त कर सकीगा।
  - 15 उक्त व्यवसाय से सम्बन्धित व्यवसायी अपना व्यवसाय बन्द करने से भूगे नगर प्रधायत, दिनेशपूर को सूचित करेगा। अन्यथा लाईसैन्स शुन्क देश होता।
    - ा कोई भी बाईसे स्वरूपक सरकारी भूगि वजूल जादि वर उक्त व्यवसाय प्रतिक्रमण कर्णाही कर सम्ह
- 1) नेना व्यवसाय सं सम्बद्धाः वादक्तयी को इस वावसाय लाईरोन् क अधिरिक्त ज्ञाय अधिकत लाईरौन जाएला।
   प्रमाण भन्न भी प्राप्त करने होगे।
- (अ. १६६) अध्यक्तम् ४८ राजस्ति चाईसै स्वाहत्यकः तः समीपवार्षे बार्गन्या से अतार्थी । प्रमाणः व प्राचा कर १ - छोता।
- 16 स्थित्व श्राईर क्रीम फी. १ चाली आहे. से सर्वाधन व्यवसायी स्वयं। जन एवं खाद्य प्रदार्थ के अवसंग करेंगी।

#### ्दण्य प्राविधान

| (6) (1) (6) | - 4 × 4 → 114            | त र्म र के कर रह का विकास |
|-------------|--------------------------|---------------------------|
| 1           | आस्र मशीन                | 2000 00                   |
| 2.          | राईस फिल                 | 3000.00                   |
| 3.          | विस्कृट फॅक्ट्री (बेकरी) | 100.00                    |
| A.          | बीडी की फैक्ट्री         | 100 00                    |
| δī.         | 'चक्की                   | 300 00                    |
| 6.          | कई मशीन                  | 100 00                    |
| 7           | विनि सेलए                | 600 00                    |
| 8.          | इंट विक्रेता             | 300 00                    |
| 9           | रजाई संग्टर (घरेलु)      | 1000.00                   |
| 10.         | रजाई सेण्टर (नियांतक)    | 3000 00                   |

| म्हास 8] | उत्तराखण्ड गजट १९ जनवरी २००६ ई | 0 (श्रीम 2% 1929 शक सम्बत्) 9 |
|----------|--------------------------------|-------------------------------|
| 120410   | व्यवसाय का गर                  | लाईसै स शुल्क ,४ २० (५ विंक)  |
| 11       | प्पड गोदाम                     | 100 00                        |
| 12.      | ईट भट्ख                        | Sed oo                        |
| 13.      | अगर्दसंब्रीम (कुलफी फैक्ट्री)  | 1000 00                       |
| 14       | लकडी की टास (बल्ली, फण्टी)     | 50.60                         |
| 15.      | मच्छरदानी फैक्ट्री             | 66.60                         |
| 96.      | साबुन फैनट्री                  | 60 00                         |
| 57       | रिभार गरीन्ट                   | 100 00                        |
| 16       | हिजा कैन्द्री (गता)            | 100 00                        |
| 10       | आईस चंदरी                      | 200 00                        |
|          |                                |                               |

# 7-पश्पालन / कॉजी हाउस .

#### तपनियम

- र प्रतिक ल्लाई हैना र प्रकृत से १५ मन्त एक का मुन्ता और के त्य तम समिति घर स्वत् रुवात र वर्ष जारोगाः।
  - र कोई भी व्यक्ति भित्र नाईरी स प्राप्त किया उनल अवसर नहीं राज सहिन्द
- ्या व्यासम्य योके इन्हें १ की एक अध्यक्ष केंद्र की इकत में व्यवसाय वंज सकेंगा िस 1° 1 १ प रत भी क स्वामित अथाय केर है। के प्रमाण पत प्रस्तुत करना नीरात
- A Gift व्यवसाय से लावापि अर्थ में प्रदार व्यवस्था अपनी दिली अन्तार किराय की भूगि, इव अर्थ दिला त्रा । बाईसैन्स के आधिरेक्ट मार । प्रा. सरकारी विभाग से अधिकृत क्रिया प्रा. वाईसै से अर्थात वर्षी व्यवस्य कर सकेगा।
- उत्तर क्रवस्त्र र लादे। यवर यी अप अंबर के 'ग्रीड लगा एक कर ∠गीवान प्रदिशी रखा सकीमा
- ह होता रस्तरस्य से रुख्योतिक व्यवसारी विदेश समय पर सा प्रमुखा जान्तरो की पुणायेण राज्या शावीजनिक स्थल पर गदमी आदि नहीं होने देया।
- / समय समय पर मतसायी अप ! जा पाने को हो ! व की बीमारियों से बचाव हेन् रक्षात्मक ीकी वेकड़ आदि। देगा।
- क्षे उक्त व्यवसाय से सम्बन्धित व्यवसायी अपने जानवर / पश्जा के मरने के उपरान्त समृधित रूप से दबाकर आदि शव को निस्तास्ति करे।
  - 9 समय रमक धर हो रे बहती एश् गणात से पश्चा की सख्याद जे कर घेगा
- 10 पर ताल- के स्थान धर बाहा मोदाम आदि को नर्गन स्वच्छ नकदीन्क्त एव द्वित जल की निकासी की पूर्णतः व्यवस्था होनी चाहिये जो सार्वजनिक ऋती में जाने हो ।
- 11 निरीक्षणकरणं की सर्वारं पर उक्त व्यवसाय के ल्यू सैन्स को निर्सम्बत / निरस्त कर 1 का अधिकार अधिशासी अधिकारी को सुरक्षित होगा। लाइसे-सधारक यदि चाहे तो होलाँगत का विरस्त के आदेश की विधि से 15 दिन के अ दर अन्दर अधिकारी अधिकारी को आवेदन कर लाई है स बहाल करने की अधील कर सकागा।
- 12 वितीय वर्ष 1 अप्रैल से 31 कार्च वक बनने वाले लाईसैन्स के नवीनीकरण हेत् आवेदक 15 अप्रैल तक आवेदन कर लाइसेन्स प्राप्त कर सकते हैं। तदीपरान्त प्रतिदिन 5.00 60 अर्थ दण्ड के रूप में भूगतान कर लाईसैन्स प्राप्त कर सकेया।
- १९ उक्त व्यवसाय से सम्बद्धित व्यवसायी अपना व्यवसाय रन्द करने से पूर्व नगर प्रचायत दिनेशधुर की सुधित करेगा। अन्यथा लाइंसैन्स शुल्क देव होगा।

14- कोई भी लाईसै-सधारक सरकारी मूमि नजूल आदि पर उक्त व्यवसाय अतिक्रमण कर नहीं कर सकेगा। 15 उक्त व्यवसाय से सम्बंधित व्यवसायी को इस व्यवसाय लाईसे-स के अतिरिक्त अन्य अपेक्षित लाईसै-स अध्यवा प्रमाण पत्र भी प्राप्त करने होंगे।

56 उक्त व्यवसाय से समित लाई है स्ट घारकों को समीपवर्ती बहितयों से प्रनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।

17 कोंजी हाउस से सबसि । उपियम के अधीन कोई भी व्यक्ति आवारा प्रश्ला की छोडने ला सकेगा जो अपनी शिकायत दर्ज करायेगा।

ाठ आवारा पर्श्नामी अपने पश्चा की पारवान बताकर वणित दशे के अनुसार अर्थ उपन भूगान कर छुन्छ। सकेगा। जिसमें पश्च चारा का अतिरिक्त भूगतान करना होगा।

19 कोंजी त्रवस प्रेचन्द्र पशु १५ दिन की प्रवधि के उथ्चान व्यक्ती सार्वजिमक नीलाग्री कर देश जायेगी किसकी हुन जिल्ला प्रश्नी अध्वारक उथ्चरवाणी की ट्रांगी तथा कर्द्र भी दाव जादि वहीं कर सकेलात

#### दण्ड प्राविधान

यूर्गीत (यू मेसि निविध्व हुन्द १९१६ की घार २९६६), के अंतर्गत दिये गये अधिक से का प्रयोग करके नगर एवंगत दि । अप दे की है कि गद्दे कोई व्यक्ति उपनिक्त दिधियों एवं उपनियमों के अल्लाहन करता है तो अप देश देश अधिक का 1000 00 (कार अर रवण भाग, अकारी सका। है और यदि उल्लाम कि पर असी स्तेण तो एसे प्रतिक दि । है जिसे जिस्सा बारे में यह सिद्ध हो जाये कि अन्तर्भ अरत्यत कर रहा है 25.00 (उन्नोश स्तार्थ मान) प्रतिदिश तक अर्थदण्ड अतिरिक्त हो सकता है।

| woste | v(x)+ } 1 1                            | न इसी स १ ला पर २० (व विव |
|-------|--|---------------------------|
| 1     | प्रति पशु                              | 1 00 মবি                  |
| 2     | कॉजी छाउस में बन्द जानवरों पर जुर्माना | 50 00                     |
| 3.    | प्रतिदिन खुराकी (छोटे जानवर)           | 5 00                      |
| 4.    | प्रतिदिन खुराकी (वढे जानवर)            | 10 00                     |
| 5     | पिगरी कार्ग (सूजर पालन)                | 300 00                    |

#### 8-अन्य व्यवसाय :

#### उपनियम -

- ा प्रत्येक लाईरी सा। अप्रैल २ आ मार्च १क मान्य होता. जो वित्यि वह समाद्धि घर ख्वा समान्य सम्झा जायेगा।
  - र कोई भी योका बेन नहीं र पाल किये उक्त व्यवसार नहीं वला सकरा
- उ पंक व्यवसाय ', ' योके प्राने पिती घटन प्रथव किराये की दुक में व्यवसाय बला सकेंग, होता है। भिवन स्वामी का स्वामित अथवा कि यद से का पनाण पन प्रस्तृत करता होगा
- म च्यन व्यवसाय र'र बिंधत व वन्नयी अपना शवसन्य अपनी किली अध्यन 'कराये की भूमि/ दुकान पर री करेगा आईरी स क अ ने 'का ना यह प्राप्त राक्ष री विभाग सं अधिकृत प्रमाण पत्र आईरीन्स प्रस्तुत करने पर री व्यवसाय कर सकेगा।
- 5 िरीक्षणकता ने सरल्ति पर एका व्यवसाय के नाइंसीन्स का निलामित, निरस्त करने का अधिकार अधिशासी अधिकारों का भ्राह्मित हत्या, ताइंसीन्स घारक यादे बात हो निलामित या निरस्त के प्रदेश की तिथि हो 15 दिन क भन्दर अन्दर अधिशासी के मेंकारी की अन्वेदन कर लाइंटी मा बातन करने की अधील कर सकता
- क विलीम क्षा १ प्रमेल में 39 मार्च का बना वाहर न इंगेल्स के वर्ष विकरण हेल् आवंदक 15 अभैल तक अवंद 9 कर नाईसै र अध्य कर सकते हैं। तहोपर १ प्री १ 500 69 अर्थ दन्द के रूप में मुख्यक कर लाइसै स ब्राह्त कर सकेगा।
- / राजा अवसाय ये सम्बद्धित अवसाय अध्य जवसाय बाद करने सं पूर्व नगर प्रधायत दिनेशपूर की सूचित कॅरेगा। अन्यथा लाईसैन्स शुल्क देव होगा।
- 8 कोई मी लंड्सेना धारक संरक्षण मूल अपि पर सकत जादर व अधिक्रमण कर नहीं कर सक्षम। 9- उंदर व्यवसाय सं संबंधित व्यवसारी । इन व्यवसाय लाईसन्द के अभितेका अथ जादीन लाईसैन्स प्रथव प्रमाण पत्र भी प्राप्त करने होंगे।

10— उक्त व्यवसाय से संबंधित लाईसैन्स धारकों को संबंधिवर्ती बस्तियों से अनापत्ति प्रमाण—पत्र प्राप्त करना होगा।

11-पेट्रोलियम पदार्थों से संबंधित व्यवसाय के व्यवसायियों को अग्नि शमन विभाग से प्रमाण-पत्र लेना होगा' तथा अग्नि शमन यंत्र जनहित में समुचित रूप से स्थापित करने होंगे।

12 वर्षित व्यवसायों से संबंधित व्यवसायियों को अपना व्यवसाय वातावरण प्रदूषण एवं व्यनि प्रदूषण रहित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

#### दण्ड प्राविधान

यूवरीठ म्यूनिस्थिलिटिज एक्ट, 1916 की धारा 299(1) के अन्तर्गत दिये गये अधिकारों का प्रयोग करके नगर पंचायत. दिनेशपुर आदेश देती है कि विदे कोई व्यक्ति उपरोक्त विदियों एवं उपनियमों का उल्लंधन करता है तो अर्थ दण्ड दिया जायेगा जो 1000.00 (एक हजार रुपये मात्र) तक हो सकता है और यदि उल्लंधन निरन्तर जारी रहेगा तो ऐसे प्रत्येक दिन के लिये जिसके बारे में यह सिद्ध हो जावे कि अपराधी अपराध कर रहा है, 25.00 (पंजीस रुपये मात्र) प्रतिदिन तक अर्थदण्ड अक्षिरिक्त हो सकता है।

| 90410 | व्यवसाय का भएम  | लाईशैन्य शुल्क/दर २० (वार्षिक) |
|-------|---|--------------------------------|
| 1     | पुलाई गृष्ठ, लान्ही   | 100 00                         |
| 2     | <u>द्राईक्ली-</u> -र  | 100.00                         |
| 3     | फाईनेन्स कम्पनी, चिट फण्ड                                   | 3000.00                        |
| 4     | राशन परवृत, ओक विक्रेता                                     | 100.00                         |
| 6.    | कपड़ा विक्रोस   | 60 00                          |
| 6     | ऐडिमेड गारमेण्ट्स   | 80.90                          |
| 7.    | स्टेशनरी / पुस्तकं भण्डाए                                   | 60 00                          |
| B     | फैन्सी समान (गिषट आईटम)                                     | 80.00                          |
| ß.    | कॉस्मेटिक सीन्दर्ध प्रशासन                                  | 80,00                          |
| 10    | मनिहारी सामान   | 80.00                          |
| 11.   | <b>फोटाग्राफ</b> र  | 50.00                          |
| 12    | वीडियों फिल्म मेकर  | 80.00                          |
| 13,   | जूते रेडिमेड  | 80.00                          |
| 14,   | जूते तैयार कर विक्रेता (जूते बनाना)                         | 50.00                          |
| 15.   | मोची  | 25.00                          |
| 6.    | घडी (बींच विक्रेता)   | 60,00                          |
| 17.   | घढ़ी साज (घड़ी मरम्मत)                                      | 60,00                          |
| 18.   | साईकिलं भरम्भत  | 50,00                          |
| 19.   | साईकिल विक्रेता   | 80,00                          |
| 20.   | रेडिया बिक्री / मरम्मत                                      | 00.00                          |
| 11.   | विजली से चलने कले उपकरण (कूलर, पंखे ग्रैस अहरे)             | 60,00                          |
| 22.   | स्पेयर पार्ट्स (टैम्पो, ट्रैक्टर, ट्रक, बस, पम्पिम औट कादि) | 60.00                          |
| (3,   | स्पेयर पार्ट्स (भोटर साइकिल, स्कूटर, दो पहिया बाहन)         | 60.00                          |
| 24.   | मोबिल ऑयल, पेटी डीलर पेट्रोल, डीजल)                         | 60.00                          |

| #0√lo | व्यवसाय का नाम   | लाईसैन्स शुल्क / दर रु० (वार्षिक) |
|-------|--|-----------------------------------|
| 26.   | धान विक्रेता   | 30.90                             |
| 26.   | भेडिकल स्टोस   | 60.00                             |
| 27.   | कृषि दक्ष विकेता   | 100.00                            |
| 28.   | कृषि बीख विक्रोता  | 100,00                            |
| 29.   | कारवेण्टर (बढर्ड)  | 60.00                             |
| 36.   | बर्सन विक्रेता (स्थाई दुकान)                                   | 100.00                            |
| 34.   | बर्रान विकेशा (फड/फेरी लगाकर)                                  | 60,00                             |
| 32.   | वर्कशांप (देवटर, ट्रक, टैम्पो आदि व अन्य कृषि यन्त्र विक्रेता) | 150.00                            |
| 39.   | पंचर जोड़ने बाला अथवा हवा मरने वाला                            | 50.00                             |
| 34    | लोक्षर   | 60 00                             |
| 36    | the checke   | 100.00                            |
| 36.   | टाईप सेण्टर  | 200.00                            |
| 37    | टाईप वेण्डर (स्टाम्प विकेता)                                   | 300.00                            |
| 36    | कम्प्यूटर सेण्टर (कार्य / देनिय)                               | 200,00                            |
| 39.   | मोटर वाहन एजेन्सी (संल्स एण्ड सर्विस)                          | 2500,00                           |
| 40.   | रक्टर एवं गोटर साईकिल एजेन्सी (दोपहिया, तीन पहिया)             | 1000.00                           |
| 41.   | खाद विकंता   | 100 00                            |
| 42    | दुकान मिट्टी के तेल की (100 मैलन तक)                           | 60.00                             |
| 43    | दुकान मिट्टी के तेल की (300 मैलन सक)                           | 100.00                            |
| 44.   | दुक्षान मिट्टी के तेल की (800 मैलन तक)                         | 120 00                            |
| 46.   | पेट्रोल पम्प/डीजल पम्प/ओंयल कम्पनी                             | 3000.00                           |
| 46.   | पेट्रोल, डीजल पम्प पेटी  | 500.00                            |
| 47.   | जनरेटर डीजल निजि प्रयोग हेतु                                   | 50.00                             |
| 48    | अन्रेटर डीजल व्यवसायिक   | 100.00                            |
| 49    | ब्यूटी पार्लर  | 50,00                             |
| 50.   | कुकिंग गैस एजेन्सी   | 100,00                            |
| 51    | देलर (3 मशीन तक)   | 50.00                             |
| 52    | टेलर (3 मजीन से ऊपर)   | 80.00                             |
| 53.   | जीलर्स (१ लाख रुपये का टर्नजीवर प्रतिवर्ग)                     | 100.00                            |
| 54.   | दिज्ञापन एजेन्सी   | 100.06                            |
| 65    | ऑडियो लाईनेरी  | 50.00                             |
| 56    | केबिल टीववीव   | 300.00                            |
| 57.   | आर्किटैवट / वार्ट्स सकारण्येष्ट                                | 1000,00                           |

| क्राव | व्यवसाय का नाम                                | लाईसै-स शुल्क / दर रु० (वार्षिक) |
|-------|---|----------------------------------|
| 58.   | तकड़ी की टाल                                  | 100.00                           |
| 59.   | संबंगी की दुकान                               | 300,00                           |
| 60.   | फर्नीचर की दुकान (को कम)                      | 100.00                           |
| 61.   | 'स्तास्टिक ( <b>गॉर्ड</b> न फर्नीचर)          | 100,00                           |
| 82    | क्रॉफरी विकेता                                | 100,00                           |
| 63.   | ग्रिटिंग ग्रेस                                | 100 00                           |
| 64.   | कपढे की छमाई, कदाई                            | 60,00                            |
| 65.   | प्रापरी बीलर                                  | 1000 00                          |
| 68.   | थाँस, रस्सी, फावडा, दराँती, चूना जादि         | BQ QB                            |
| 67    | वीडियो सीठवीठ लाईबंदी                         | 50,00                            |
| 68.   | वीवसीवधारक सीडी (एक), किसारे की दुकान         | 50,00                            |
| 69.   | वीवसीवजारक सीडी (एक से अधिक), किराये की दुकान | 100.00                           |
| 70.   | व्येतर (50 हवार तक दने अध्यर)                 | 76.00                            |
| 71    | व्यक्तिर (50 हजार से कम टर्न ओवर)             | 50.00                            |
| 72.   | संनेदी किटिमकंड (प्लब्बर)                     | 100,00                           |
| 73    | शार्ख वैधर (पाईफ टंकी रंग कादि)               | 50.00                            |
| 24    | कोयला किलेसा                                  | 60.00                            |
| 76    | पेण्टर (रंगाई, लिखाई)                         | 56.00                            |
| 76    | बैण्ड (शॉस बैण्ड)                             | 50.00                            |
| 77_   | व्यूज पेपर, मेगजीन आदि की दुकान               | 60.00                            |
| 76    | विसात्सामा                                    | 60.00                            |
| 79.   | प्राईवेट स्कूल/पब्लिक स्कूल                   | 600.00                           |
| 80.   | लॉटरी स्टाल                                   | 300.00                           |
| 81.   | आरकेस्ट्रा वाटी / डी०जे०                      | 100.00                           |
| 82.   | टी स्टाल (खोका वेंसी)                         | 40.00                            |
| 82.   | कबाइ व्यापास                                  | 100.00                           |
| 84.   | फोटोस्टेट इलैक्ट्रॉनिक टाईप राईटर             | 200,00                           |
| 85.   | स्पोर्ट्स सामान की दुकान                      | 100,00                           |
| 66,   | आंप्टिकत/वर्ष की दुकान                        | 50,00                            |
| 87    | टैक्सी सर्विस                                 | 100.00                           |
| BB.   | होजरी/कन की दुकान                             | 100,00                           |
| 89.   | स्क्रीन प्रिन्टिंग                            | 100.00                           |

| #otio | व्यवसाय का गाम   | लाईसैन्स शुल्क / दर ४० (वार्षिक) |
|-------|--|----------------------------------|
| 90.   | थियेटर   | 100.00                           |
| 61.   | इश्योरेन्स कम्पनी प्रति शास्त्रा                       | 3000.00                          |
| 92.   | कार्चन्डिंग इन्जिनियरिंग                               | 6000,00                          |
| 93.   | राशन परचून कुटकर विकेता                                | 60.00                            |
| 94.   | द्रांसपोर्ट विना वाहन के एजेन्सी                       | 1000,00                          |
| 96    | द्रांसपोर्ट वाहन सहित                                  | 2000.00                          |
| 96.   | पेय पदार्थ फेक्ट्री                                    | 100.00                           |
| 97    | मुगी अण्डे की दुकान (श्लोक)                            | 100.00                           |
| 96.   | मुर्गी अन्डे की दुकान (फुटकर)                          | 60.00                            |
| 99.   | अन्य ऐसे छोटे-बड़े व्यवसाय जो सूची में अंकित नहीं हैं- |                                  |
|       | अ-भोटे व्यवसाय   | 50.00                            |
|       | व-बर्ड ध्यवसाय   | 100.00                           |

ह0 (अस्पष्ट), अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, दिनेशपुर, ऊधमसिंह नगर। ह० (अस्पष्ट), अध्यक्त, नगर पंचायत, दिनेशपुर, ऊधमसिंह नगर।